डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
यूनिक समय
स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ
मथुरा से प्रकाशित
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com
वर्ष-4 | अंक-169 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 14 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
यूनिक समय
स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
मथुरा से प्रकाशित
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com
वर्ष-4 | अंक-169 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 14 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सीएम आवास से पूरा होगा पक्के मकान का सपना

बंजारा, सपेरा, निराश्रित महिला और दिव्यांगों को मिलेंगे आवास

593 पात्र परिवारों का गांव गांव कराया जा रहा सत्यापन

यूनिक समय, मथुरा। आवास से वंचित पात्र गरीब परिवारों के पक्के मकान का सपना अब जल्द पूरा होने वाला है। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत जिले में 593 आवास विहीन पात्र परिवारों का चयन किया गया है। इनमें बंजारा, सपेरा, निराश्रित महिलाओं और दिव्यांगजन समेत ऐसे परिवार शामिल हैं, जिनके पास रहने के लिए पक्का मकान नहीं है। चयनित लाभार्थियों को

योजना का लाभ देने से पहले प्रशासन की ओर से गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर पात्रता का सत्यापन कराया जा रहा है। सत्यापन पूरा होने के बाद पात्र लाभार्थियों के खातों में आवास निर्माण की पहली किस्त भेजी जाएगी।

जिले के बलदेव विकास खंड में 58, चौमुंहा में 111, छाता में 201, फरह में 52, गोवर्धन में 42, मांट में 23, मथुरा में 35, नंदगांव में 12 और नौहझील में 38 परिवारों का चयन किया गया है। अधिकारियों की ओर से सत्यापन के दौरान परिवार की आर्थिक स्थिति, आवास की स्थिति और योजना के मानकों की जांच की जा रही है, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों को ही योजना का लाभ मिल सके।

यह सुविधा भी मिलेंगी पात्र परिवारों को

सीएम आवास के लिए चयनित पात्र लाभार्थियों को पक्के मकान के लिए 1.20 लाख रुपये तीन किस्तों में मिलेंगे। इसके अलावा ऐसे परिवारों को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड मिशन ग्रामीण में 125 दिन का रोजगार और व्यक्तिगत शौचालय की सुविधा भी मिलेगी।

लाभार्थियों का कराया जा रहा सत्यापन

सीडीओ डा. पूजा गुप्ता ने बताया कि जिले में सीएम आवास योजना के लिए चयनित 593 परिवारों के लोगों की सूची सत्यापन के लिए, संबंधित ब्लाकों को भेजी गई है। सत्यापन के बाद चयनित पात्रों को सीएम आवास योजना का लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री आवास योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और आवास विहीन परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है। योजना के तहत ऐसे पात्र परिवारों को मकान निर्माण के लिए शासन की ओर से 1.20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। योजना के तहत धनराशि लाभार्थियों के बैंक खाते में चरणबद्ध तरीके से भेजी जाती है। पहली किस्त जारी होने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराया जाता है, निर्माण की प्रगति के आधार पर अगली किस्तें उपलब्ध कराई जाती हैं।

जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक एके उपाध्याय ने बताया कि जिले में चयनित 593 परिवारों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए पहली किस्त जारी की जाएगी। प्रशासन का प्रयास है कि योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे और आवास निर्माण की प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। इससे लंबे समय से कच्चे या अस्थायी आवास में रहने वाले परिवारों को सुरक्षित और पक्का आशियाना मिल सकेगा।

स्वर्ण-रजत हिंडोले में कल विराजेंगे ठाकुर बांके बिहारी

आजादी के साल का हिंडोला, 15 अगस्त को फिर सजेगा

स्वतंत्रता दिवस और हरियाली तीज का 79 साल बाद संयोग

यूनिक समय, मथुरा। इस बार हरियाली तीज पर ठाकुर बांके बिहारी जी के भक्तों को ऐतिहासिक संयोग के बीच दर्शन होंगे। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के साथ हरियाली तीज का पर्व भी मनाया जाएगा। खास बात यह है कि 79 साल बाद दोनों अवसर एक ही दिन पड़ रहे हैं। आजादी के वर्ष 1947 में इसी हिंडोले पर पहली बार ठाकुरजी विराजमान हुए थे।

मंदिर से जुड़ी जानकारी के अनुसार, बेरीवाला परिवार ने 15 अगस्त 1947 को स्वर्ण-रजत हिंडोला मंदिर को समर्पित किया था। इसके बाद 19 अगस्त 1947 को हरियाली तीज के अवसर पर ठाकुर बांके बिहारी जी पहली बार इस हिंडोले पर विराजे थे। तभी से हरियाली तीज पर वर्ष में एक दिन ठाकुरजी को इसी ऐतिहासिक हिंडोले पर विराजमान

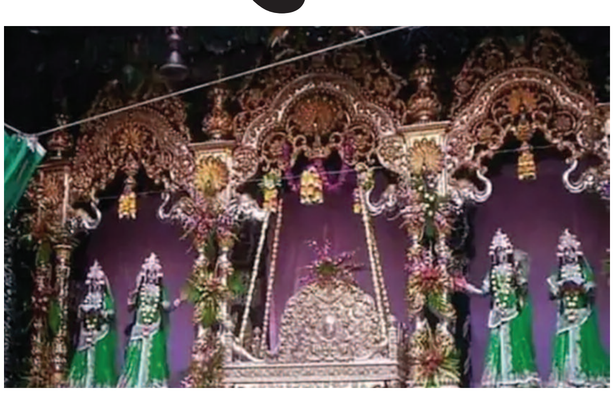

कराने की परंपरा चली आ रही है। हिंडोले को 125 अलग-अलग हिस्सों में सुरक्षित रखा जाता है। करीब 79 साल बाद इस बार इसकी स्वर्ण पॉलिश कराई गई है। दिल्ली से आए 10 कारीगरों ने 22 दिन में पॉलिश का काम पूरा किया। बताया गया है कि हिंडोले में करीब एक लाख तोला चांदी और 10 हजार तोला सोना इस्तेमाल हुआ है। इसे शीशम, साल और सागवान की लकड़ी से तैयार किया गया था। हरियाली तीज पर हिंडोला स्वर्ण आभा से दमकेगा।

दर्शन का समय दो घंटे और बढ़ा

यूनिक समय, वृंदावन। हरियाली तीज पर ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन का समय बढ़ा दिया गया है। मंदिर प्रशासन के मुताबिक, सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक और सायं चार बजे से रात्रि 11 बजे तक दर्शन होंगे।

अस्पताल में नवजात बदलने की चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। शहर के एक नामी निजी अस्पताल में नवजात शिशु बदले जाने की चर्चा से हड़कंप मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि प्रसव के बाद एक परिवार को शिशु बालिका होने की जानकारी दी गई थी, जबकि बाद में उन्हें शिशु बालक सौंपे जाने की बात सामने आई। इसको लेकर परिजनों में असमंजस और आक्रोश है। मामला अस्पताल प्रबंधन तक पहुंचने के बाद चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। जानकारों का कहना है कि प्रसव के समय मौजूद कर्मचारियों और अभिलेखों की जांच से स्थिति स्पष्ट हो सकती है। हालांकि, अस्पताल प्रबंधन की ओर से मामले को लेकर अभी कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। नवजात बदलने की चर्चा के बाद स्वास्थ्य विभाग की निगरानी और अस्पताल की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। यूनिक समय शिशु बदले जाने की पुष्टि नहीं करता है।

शुभकामनाएं: स्वतंत्रता दिवस की सभी पाठकों, विज्ञापनदातों और शुभचिंतकों को शुभकामनाएं। 15 अगस्त को अवकाश रहेगा, अगला अंक 16 अगस्त को प्रकाशित होगा।
-संपादक

हरियाली तीज सुरक्षा को लेकर डीएम-एसएसपी ने दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार शाम को हरियाली तीज पर्व को लेकर डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में वृंदावन स्थित स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम, चारधाम में अधिकारियों और कर्मचारियों की ब्रीफिंग हुई। प्रशासन ने पर्व पर कई लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।

डीएम ने सभी ड्यूटी अधिकारियों को सुबह छह बजे अपने-अपने स्थान पर पहुंचने के निर्देश दिए। पर्व के दृष्टिगत क्षेत्र को चार सुपर जोन और 18 सेक्टरों में बांटा गया है। श्री बांके बिहारी मंदिर में दर्शन का समय भी बढ़ाया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल, स्वास्थ्य कैंप, एंबुलेंस और अस्पतालों में बेड आरक्षित रखने की व्यवस्था की गई है।

नगर निगम को सफाई, विद्युत विभाग को निर्बाध आपूर्ति और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के निर्देश दिए गए। यातायात सुचारू रखने के लिए डायवर्जन प्लान, पार्किंग, बैरियर और बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। खाद्य सुरक्षा विभाग को खाद्य पदार्थों की नियमित जांच के निर्देश दिए गए। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, पीए सिस्टम से नियमित अनाउंसमेंट और दिव्यांगों-वृद्धों के लिए गोल्फ कार्ट की सुविधा रहेगी। इस दौरान जिलास्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

भीड़ नियंत्रण को लगाई रेलिंग

बांकेबिहारी मंदिर मार्ग को एकल बनाने के लिए बीच सड़क पर लगाई रेलिंग।

यूनिक समय, वृंदावन। हरियाली तीज पर स्वर्ण रजत हिंडोले में विराजमान ठाकुर बांकेबिहारी की एक झलक पाने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने हरिनिकुंज चौराहा से विद्यापीठ चौराहा और इस चौराहा से मंदिर की प्रमुख गली तक लोहे की रेलिंग लगाई है। इस रेलिंग (बेरीकेडिंग) से श्रद्धालुओं को लाइन लगवाकर मंदिर के प्रवेश द्वार नंबर तीन तक पहुंचा जाएगा। इसी तरह से दाऊजी तिराहा से बाबा फलाहारी के पास होकर गेट नंबर दो तक पहुंचाया जाएगा। मंदिर से दर्शन कर लौटने वाले श्रद्धालुओं को गेट नंबर एक और चार से बाहर निकाला जाएगा।

हरिनिकुंज चौराहा से कतारबद्ध होकर आगे बढ़ेंगे श्रद्धालु

तिरंगे के साथ 25 किलोमीटर दौड़ी मथुरा की बाइक रैली

रैली में तिरंगा लेकर डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, बाइक चलाते एसएसपी श्लोक कुमार। दूसरी बाइक पर नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

एसएसपी ने संभाली बाइक की कमान डीएम ने लहराया तिरंगा

सौ से अधिक बाइकों पर सवार अधिकारियों ने लगाए जयकारे

यूनिक समय, मथुरा। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को मथुरा में देशभक्ति का उत्साह देखते ही बना। हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर निगम मथुरा–वृंदावन की ओर से 25 किलोमीटर लंबी तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। भूतेश्वर तिराहा स्थित नगर निगम कार्यालय से शुरू हुई यात्रा टैंक चौराहा स्थित योद्धा चौक पहुंचकर समाप्त हुई। रैली में सौ से अधिक बाइक शामिल हुईं। हाथों में तिरंगा लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारत माता के जयकारे लगाए।

रैली में डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार और नगर आयुक्त ओजस्वी राज सहित कई अधिकारी शामिल हुए। एसएसपी ने बाइक की कमान संभाली, जबकि डीएम उनके पीछे बैठकर तिरंगा थामे रहे। अधिकारियों ने हेलमेट पहनकर यातायात नियमों का पालन करते हुए यात्रा में हिस्सा लिया।

रैली में डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल, सीओ नगर आशना चौधरी, एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण के सचिव आशीष कुमार सिंह सहित नगर निगम के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

तिरंगा बाइक रैली नगर निगम कार्यालय से भूतेश्वर तिराहा, डीग गेट, गोविंद नगर, श्रीकृष्ण जन्मस्थान गेट नंबर तीन, रामलीला मैदान, महाविद्या कॉलोनी, अग्रसेन–मसानी चौराहा, बिरला मंदिर, टीएफसी तिराहा, वृंदावन सौ फुटा मार्ग, प्रेम मंदिर तिराहा, रमणरेती पुलिस चौकी, वृंदावन परिक्रमा मार्ग और अटल्ला चुंगी से होकर गुजरी। इसके बाद रैली टीएफसी तिराहा, बिरला मंदिर, डीग गेट, दरेसी रोड, कोतवाली रोड और होलीगेट होते हुए टैंक चौराहा स्थित योद्धा चौक पहुंची। पूरे मार्ग में लोगों ने तिरंगा यात्रा का उत्साह बढ़ाया।

आरपीएफ ने मथुरा जंक्शन पर निकाली तिरंगा रैली

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को मथुरा जंक्शन पर तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। रेलवे परिसर देशभक्ति के रंग में नजर आया। आरपीएफ इंस्पेक्टर यूके कौशिक अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा आरपीएफ थाने से शुरु की। यात्रा में आरपीएफ जवानों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने यात्रियों को स्वतंत्रता दिवस का महत्व के बारे में बताया।

मथुरा जंक्शन पर तिरंगा रैली निकालते आरपीएफ के अधिकारी और जवान।

तिरंगा यात्रा में शामिल कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा और विद्यार्थी।

स्वतंत्रता दिवस से पहले जाम में फंसा शहर, थमे वाहनों के पहिए

दोपहर से शाम तक प्रमुख मार्गों पर थमे रहे वाहनों के पहिये

चौराहों पर यातायात संभालने में पुलिसकर्मियों के छूटे पसीने

कृष्णा नगर मुख्य मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले शुक्रवार को शहर में यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराती नजर आई। प्रमुख मार्गों और चौराहों पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। दोपहर से शाम तक वाहन रेंगते रहे और कई स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम खुलवाने के लिए यातायातकर्मी लगातार मशक्कत करते नजर आए।

शहर के टैंक चौराहा, मछली फाटक फ्लाईओवर, कृष्णानगर, होली गेट, भरतपुर गेट, स्टेट बैंक चौराहा, गोवर्धन चौराहा और मंडी चौराहा समेत कई प्रमुख स्थानों पर यातायात का दबाव अधिक रहा। इन मार्गों पर एक साथ बड़ी संख्या में वाहनों के पहुंचने से स्थिति बिगड़ती चली गई। कई जगह वाहन चालकों को काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ा।

जाम के कारण राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। वाहन चालकों ने वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेने का प्रयास किया, लेकिन कई संपर्क मार्गों पर भी यातायात का दबाव बढ़ गया। कुछ लोग वाहनों को छोड़कर पैदल ही गंतव्य की ओर जाते दिखाई दिए। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को हुई।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर शहर में बाजारों और प्रमुख स्थलों पर भीड़ बढ़ने के कारण यातायात का दबाव सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक रहा। जगह–जगह यातायातकर्मी वाहनों को व्यवस्थित करने और जाम खुलवाने में जुटे रहे। बावजूद इसके कई स्थानों पर यातायात सुचारु होने में समय लगा। शाम तक शहर के कई हिस्सों में रुक–रुककर जाम की स्थिति बनी रही। लोगों ने प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की जरूरत बताई।

तेज रफ्तार थार का टायर फटने पर हुई दुर्घटना

एक्सप्रेस–वे पर थार कार आल्टो से टकराई

दोनों कारों में सवार सात लोग हुए घायल

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 62 पर शुक्रवार प्रातः तेज गति से चल रही थार कार टायर फटने से सामने चलती आल्टो कार से टकरा गई। दुर्घटना में सात लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया।

यमुना एक्सप्रेस वे पर थाना नौहझील क्षेत्र स्थित माइल स्टोन संख्या 62 पर नोएडा से आगरा के लिए तेज गति से दौड़ती थार गाड़ी का टायर अचानक फट गया। इस वजह से थार अनियंत्रित होकर सामने चल रही आल्टो कार से टकरा गई। दुर्घटना के चलते दोनों वाहनों में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। दुर्घटना में आल्टो कार में सवार मौहम्मद सईद, सलमान, रफीक घायल हो गए। वहीं थार में सवार अधर्व श्रीवास्तव, आरुषी खरे, श्रेय और बरखा घायल हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एम्बुलेंस से कैलाश हॉस्पिटल जेवर भेज दिया। दुर्घटना के बाद पुलिस और यमुना एक्सप्रेस वे ऑथर्टी ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवा कर यातायात के लिए मार्ग को सूचारू किया।

एक्सप्रेस–वे पर चालक को आई झपकी अज्ञात वाहन से टकराई मारुति, दो घायल

यूनिक समय, सुरीर। थाना मांट क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर गुरूवार को चालक को झपकी आने के कारण एक मारुति कार हादसे का शिकार हो गई। मारुति कार तीसरी लाइन में चल रहे अज्ञात वाहन से टकरा गई। कार सवार दो लोग घायल हो गए। बताया गया कि यमुना एक्सप्रेस-वे पर मांट थाना क्षेत्र में माइलस्टोन संख्या 94 के समीप मारुति कार चालक को अचानक नींद की झपकी आ गई, जिसके चलते कार अनियंत्रित होकर तीसरी लाइन में चल रहे किसी वाहन से जा टकराई। दुर्घटना में एक व्यक्ति और एक नाबालिग गंभीर घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस और यमुना एक्सप्रेस-वे की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल भास्कर अस्पताल मथुरा में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर कुछ समय के लिए अफरा–तफरी का माहौल भी रहा।

विवाद में चले ईंट पत्थर दो महिलाएं घायल

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र स्थित कोलकुआं इलाके में एक समुदाय के दो पक्षों में मामूली सी कहासुनी को लेकर हुए पथराव में दो महिलाएं घायल हो गई। पथराव से इलाके में सनसनी फैल गई। पथराव से बचने के लिए लोग सुरक्षित स्थान की ओर भागे। बताया गया कि गोल कुंआ इलाके में देर रात एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर हुई कहासुनी ने एक साथ तूल पकड़ लिया। देखते ही देखते एक दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर पथराव कर दिया। अचानक हुए पथराव से इलाके में सनसनी फैल गई। लोगों ने अपने घरों के दरवाजे बंद कर लिए और अंदर कैद हो गए। काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच ईंट- पत्थर चलते रहे। पुलिस को भी इस बारे में सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने पथराव में घायल हुई महिला ताहिरा पत्नी चिरागउद्दीन और जाहिदा पत्नी सिराजुद्दीन को इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया। पुलिस ने घटना के बारे में वहां मौजूद लोगों से जानकारी की। इसके साथ ही पत्थर बाजी करने वालों की पहचान करने के लिए सीसी टीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। झगड़ा करने वाले दोनों पक्षों में से पुलिस को किसी भी पक्ष ने तहरीर नहीं दी है।

मिठाई की दुकानों से पांच नमूने लिए, जांच को भेजे

खाद्य पदार्थ का नमूना लेते विभाग के अधिकारी।

खाद्य विभाग की कार्रवाई रिपोर्ट आने के बाद होगी आगे की कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को खाद्य विभाग ने मिलावटी और खराब खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए अभियान चलाया। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम ने अलग–अलग स्थानों पर मिठाई और खाद्य पदार्थों के पांच नमूने लिए।

खाद्य सुरक्षा टीम ने लक्ष्मीनगर स्थित सोना मिठाई से बूंदी लड्डू का नमूना लिया। पुराने बस स्टैंड से बूंदी, गोवर्धन रोड स्थित बीकानेर मिष्ठान भंडार से बूंदी लड्डू और छटीकरा स्थित मधु मिष्ठान भंडार से बूंदी का नमूना लिया गया। इंटरनेट मीडिया पर ब्रजवासी स्वीट्स में दूषित बटर टोस्ट की खबर प्रसारित होने के बाद खाद्य विभाग की टीम ने इसका भी संज्ञान लिया। टीम ने मौके से बटर टोस्ट का नमूना लिया। सभी पांच नमूनों को जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके त्रिपाठी ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट मिलने के बाद उसमें खाद्य पदार्थ मानकों के विपरीत पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सिंह, अरुण कुमार राणा, जितेंद्र सिंह, राम नरेश, दिनेश कुमार भारती, मोहर सिंह कुशवाह, रीना शर्मा और नेहा शामिल रहे।

बिजली चोरी के खिलाफ अभियान पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। विद्युत चोरी रोकने, राजस्व वसूली का लक्ष्य हासिल करने और हाई लाइन लॉस को कम करने के उद्देश्य से मथुरा में विद्युत विभाग की प्रवर्तन टीम ने अभियान चलाकर बिजली चोरी के पांच मामले पकड़े।

प्रवर्तन दल के प्रभारी उपनिरीक्षक अरुण कुमार के नेतृत्व में टीम ने बरसाना क्षेत्र के संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर विद्युत चोरी के खिलाफ कार्रवाई की। जांच के दौरान उपभोक्ताओं को विद्युत चोरी करते हुए पाया गया। मौके पर वीडियोग्राफी कराई गई और संबंधित धाराओं में विद्युत चोरी निरोधक थाना कृष्णानगर में मुकदमे दर्ज कराए गए।

जांच में एक मामले में मीटर में आ रही इनकमिंग केबल के अलावा एलटी पोल से तीन फेस की अतिरिक्त अवैध केबल जोड़कर आटा चक्की की मोटर चलाते हुए पाया गया। दूसरे मामले में मीटर की इनकमिंग केबल काटकर उसी कट में अवैध केबल जोड़कर आटा चक्की की मोटर के लिए बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा था। तीन अन्य मामलों में बिना स्वीकृत विद्युत कनेक्शन के एलटी लाइन से सीधे अवैध केबल जोड़कर घरेलू परिसर में बिजली का उपयोग किया जा रहा था। इन मामलों में क्रमशः 5354 वाट, 4032 वाट और 5040 वाट का विद्युत भार दर्ज किया गया। विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप की स्थिति है।

तीन चोर गिरफ्तार, पांच मोबाइल बरामद

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने हनुमान मंदिर से आगे यमुना मिशन पार्क के समीप से अभियुक्त गौतम निवासी घीयामंडी नारायण मंदिर के पास, मौहम्मद हाशिम निवासी सिंगार तहसील पुनहाना जिला नूह हरियाणा, नंद किशोर निवासी माली मौहल्ला सदर बाजार को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

वृद्धा के हत्यारों की तलाश में जुटी पुलिस

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव के गांव झरौठ में एक वृद्धा की संदिग्ध मौत की गुत्थी पुलिस सुलझाने में लगी है। वृद्धा की हत्या गला घोंट कर की गई है। गांव झरौठा निवासी वृद्धा चिरौजी देवी(80) का शव घर से पुलिस ने बरामद किया था। वृद्धा गांव में अकेले घर में रहती थी। उसकी संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने हत्या का सटीक कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृतका के भतीजे ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस इस मामले में घटना करने वालों की खोज में सीसी टीवी कैमरों की फुटेज के अलावा इस बात का भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वृद्धा के घर पर कौन–कौन आता था।

कीड़ा निकालने की दवा में पिछड़ा स्वास्थ्य विभाग

12 लाख का था लक्ष्य निजी स्कूलों की अनदेखी से हुआ लक्ष्य से दूर

मॉप–अप राउंड में करीब 1.25 लाख बच्चों को खिलाई दवा

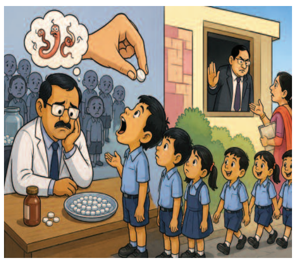

यूनिक समय, मथुरा। जिले में बच्चों को पेट के कीड़ों से बचाने के लिए चलाए गए राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान में स्वास्थ्य विभाग लक्ष्य से काफी पीछे रह गया। विभाग की तरफ से पूरे जिले में 12 लाख के करीब लक्ष्य एल्बेंडाजोल की दवा खिलाने का लक्ष्य रखा था,लेकिन अभियान के दोनों चरण पूरे होने के बाद भी बच्चे दवा से वंचित रह गए।

शुक्रवार को आयोजित मॉप–अप राउंड में करीब 1.25 लाख बच्चों को दवा खिलाई गई,खूब प्रयास के बाद भी विभाग लक्ष्य तक नहीं पहुंच सका। मॉप–अप के दूसरे राउंड में आज इस अभियान के तहत स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों को पेट के कीड़े निकालने के लिए दवा खिलाई गई। पहले राउंड दस अगस्त के में करीब आठ लाख बच्चों को दवा खिलाई गई। जो बच्चे किसी कारणवश उन दिन इस दवा खाने से वंचित रह गए हैं वो दवा आज खिलाई गई। अभियान के दौरान निजी स्कूलों में बच्चों को दवा खिलाने में रूचि कम ली है। विभाग का कहना है कि निजी स्कूल संचालकों को पत्र के माध्यम से अवगत भी कराया गया है, लेकिन इसके बाद भी संचालकों ने लक्ष्य के मुताविक दवा नहीं खिलाई है। डीपीएम डॉ.पारुल शर्मा ने बताया कि विभाग की तरफ से निजी स्कूल संचालक को समय पर जानकारी दी जाती है। इसके बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया है। न जाने जिले में कितने स्कूलों में छात्र होंगे उन तक ये दवा ही नहीं पहुंची होगी।

एचपीवी टीकाकरण में अब तक 10.258 किशोरियों को लग चुका है टीका

31.446 के लक्ष्य के मुकाबले 13 अगस्त तक हुआ टीकाकरण,अभियान को आगे बढ़ाने पर दिया जोर

यूनिक समय, मथुरा। जिले में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार तक जिले में 10.258 किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई जा चुकीं है। जिले में विभाग द्वारा टीकाकरण का लक्ष्य 31.446 का रखा गया है, लेकिन लक्ष्य के मुकाबले अभी करीब एक तिहाई किशोरियों तक ही टीकाकरण पहुंच पाया है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से एचपीवी वैक्सीन को लेकर किशोरियों और उनके अभिभावकों को जागरुक किया जा रहा है। विभाग और आंगनवाड़ी की ओर से अभियान के दौरान टीकाकरण के लगाने के लिए घर–घर जाकर जागरुक कर रहे है। नोडल अधिकारी डॉ.रोहतास सिंह ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण लगवाना चाहिए, यह आगे होने वाली बीमारियों की रोकथाम करता है। उन्होंने कहा कि जो भी लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ है, उसे अभियान के माध्यम से जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। छूटी हुई किशोरियों के टीका लगाया जा रहा है।

जनगणना 2027 में पहली बार मांगी जाएंगी कई नई जानकारियां

प्रश्नावली में बैंक खातों से लेकर पहचान संबंधी विवरण होंगे शामिल

दूसरे चरण में जाति सहित सामाजिक जानकारी भी की जाएंगी दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। जनगणना 2027 की तैयारियां तेज हो गई हैं। जनसंख्या गणना के लिए दूसरे चरण में इस्तेमाल होने वाली प्रश्नावली को अधिसूचित कर दिया गया है। इस बार प्रश्नावली में पहले की तुलना में कई अतिरिक्त जानकारियां शामिल की गई हैं। इसके जरिए परिवार और प्रत्येक व्यक्ति से जुड़ी सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति का विस्तृत विवरण जुटाया जाएगा।

जनगणना से जुड़े जानकारों ने बताया कि नई प्रश्नावली में परिवार के सदस्यों से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां मांगी जाएंगी। इनमें माता–पिता से जुड़ी जानकारी के साथ परिवार में मौजूद कुल बैंक खातों की संख्या भी शामिल है। इसके अलावा कोविड–19 टीकाकरण से संबंधित जानकारी भी दर्ज की जाएगी। प्रश्नावली में आधार नंबर, मोबाइल नंबर, मतदाता पहचान पत्र और पासपोर्ट नंबर जैसी पहचान संबंधी जानकारियों को भी शामिल किया गया है। जनगणना की प्रक्रिया को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में मकानों और आवासीय सुविधाओं से जुड़ी जानकारी जुटाने का काम जिले में हो चुका है। अब दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित विस्तृत विवरण दर्ज किया जाएगा। इसी चरण में जाति से जुड़ी जानकारी भी दर्ज किए जाने की व्यवस्था की गई है।

अधिकारियों के अनुसार, जनगणना से प्राप्त आंकड़े सामाजिक और जनसांख्यिकीय स्थिति को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार को विभिन्न योजनाओं के लिए नीति बनाने और संसाधनों के बेहतर वितरण में मदद मिलती है। नई प्रश्नावली में पहचान, परिवार, बैंकिंग, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिति से संबंधित अतिरिक्त जानकारियां शामिल होने से इस बार जनगणना का दायरा और व्यापक होगा।

जनगणना 2027 के आंकड़ों से जिले की बदलती आबादी, परिवारों की संरचना और सामाजिक स्थिति की अधिक विस्तृत तस्वीर सामने आने की उम्मीद है। जाति संबंधी जानकारी भी पहली बार विस्तृत स्तर पर दर्ज होने के कारण इसके आंकड़ों को सामाजिक और नीतिगत दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ग्रामीण शिक्षा के विकास में मील का पत्थर साबित होगी पुस्तक

पुस्तक का विमोचन करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह आदि।

यूनिक समय,मथुरा। हरदयाल टेक्निकल कैंपस, फरह के सभागार में शुक्रवार को शिक्षक एवं भारतीय नौसेना के पूर्व जेसीओ रमेश चंद द्वारा लिखित 11 वीं पुस्तक 'ग्रामीण शिक्षा- एक आकलन' का विमोचन किया गया। पुस्तक का विमोचन खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि लेखन एक कला है, जो हर व्यक्ति में किसी न किसी रूप में समाहित होती है। लेखक रमेश चंद ने कहा कि पुस्तक में ग्रामीण बच्चों की शिक्षा को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को चिन्हित किया गया है, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को अच्छा बनाने के लिए प्रकाश डाला गया है। इस अवसर पर तेजपाल सिंह, सुमन कुमारी, शीतल शर्मा, दुर्गेश सिंह, मोहित राजपूत, धर्मेंद्र सिंह, त्रिलोकी अग्रवाल, प्रदीप कुमार, सूरत प्यारी पाठक, नेहा मिश्रा, मरियम, हेमंत, सुधा यादव, चंद्रपाल, हरिमोहन सहित शिक्षकगण मौजूद रहे।

मारपीट में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सहित चार चुटैल

हमलावरों के खिलाफ पुलिस को दी गई तहरीर

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील इलाके में होने वाली कांग्रेस की बैठक में कुछ बाहरी लोगों ने हंगामा करते हुए मारपीट कर दी। मारपीट में जिलाध्यक्ष सहित चार कार्यकर्ता घायल हो गए। इस मामले में नौहझील थाने में मारपीट करने वालों के खिलाफ तहरीर दी गई है।

बताया गया कि कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के साथ पार्टी के सदस्य नौहझील में बैठक कर रहे थे। इसी बीच किसी बात को लेकर कुछ लोगों ने वहां आकर कहासुनी और गाली गलौज की। इसके बाद कार्यकर्ताओं और अध्यक्ष के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दी। बताया गया कि मारपीट में अध्यक्ष सहित चार लोग चुटैल हुए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराया। इस मामले में हमलावरों के खिलाफ मारपीट की तहरीर पुलिस को दी है।

राया में शिव मंदिर से घंटा चोरी

यूनिक समय, राया। कस्बा में मथुरा– हाथरस मार्ग जेडी प्लाजा के समीप बने प्राचीन खंडेश्वर शिव मंदिर में लगा घंटा चोरी हो गया। गुरुवार रात्रि को अज्ञात चोर मंदिर में लगे पीतल के घंटे को चुरा ले गए। शुक्रवार प्रातः पूजा अर्चना के दौरान घटना की जानकारी होने पर क्षेत्रीय लोगो ने रोष व्यक्त किया है।

खेत में महिला को सांप ने काटा इलाज के दौरान महिला मरी

यूनिक समय, सौंख। थाना मगोर्रा के गांव बंडपुरा में खेत पर काम करने के लिए गई एक महिला को सांप ने काट लिया। महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बताया गया कि थाना मगोर्रा के गांव बंडपुरा निवासी जुगेंद्र की पत्नी नीतू (30)कल सायं खेत पर काम करने के लिए गई थी। खेत पर काम करने के दौरान उसे किसी सांप ने काट लिया। महिला ने परिवार के लोगों को बताया कि उसे सांप ने काट लिया है। परिवार के लोग तुंरत उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल ले गए। बताया गया कि रात को महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला की मौत से परिवार में कोहरम मचा हुआ है। पुलिस को भी महिला की मौत का पता लगा तो मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाइक चोर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार पुलिस ने एक युवक को बाइक चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। यमुनापार पुलिस ने चेंकिग के दौरान यमुना एक्सप्रेस-वे के अंडरपास से श्योरा गुद्दर जाने वाले रास्ते के समीप से बाइक से जाते एक युवक को चेकिंग के लिए रोक लिया। युवक से बाइक के कागजात मांगे गए। युवक पर बाइक के कोई कागजात नहीं थे। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसने बाइक को चोरी का बताया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त अजय निवासी गांव सियारा थाना राया है।

तीज महोत्सव कार्यक्रम में मौजूद जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा की पदाधिकारी।

जायंट्स के तीज महोत्सव में नृत्य और हास्य का संगम

यूनिक समय, मथुरा। जायंट्स ग्रुप ऑफ मथुरा की ओर से हरियाली तीज महोत्सव स्थानीय होटल में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदीप फौजदार ने की। प्रथम महिला मिताली फौजदार, रचना अरोड़ा और राधिका अग्रवाल ने गीत पर नृत्य प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सीमा चतुर्वेदी, रुचि गुप्ता और सीमा गोयल ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। डॉ. शैफाली वार्ष्णेय ने मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों की तालियां बटोरीं। रेखा, राधिका अग्रवाल, गरिमा सिंघल और अनीता मानिक ने सामूहिक नृत्य कर समां

गीत, अभिनय और व्यंग्य ने कार्यक्रम में रंग जमाया

बांध दिया। नीलम, अंशु अग्रवाल और अनुपम गोयल ने राजस्थानी लोकगीत पर नृत्य प्रस्तुत किया।

नीलिमा अग्रवाल ने देवरानी और मिताली फौजदार ने जेठानी की भूमिका निभाते हुए संवाद और नृत्य के माध्यम से हास्य–व्यंग्य प्रस्तुत किया। दोनों ने समसामयिक घटनाओं पर चुटीले संवादों से सदस्यों को खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने राजस्थानी लोकशैली का घूमर नृत्य प्रस्तुत कर आयोजन को भव्य बना दिया। संचालन प्रदीप फौजदार ने मच्छर और मिताली फौजदार ने एंकर की भूमिका में हास्यपूर्ण अंदाज में किया। पंक्चुअलटी और हाऊ जी प्रतियोगिता के विजेताओं सहित प्रतिभागियों को पूर्व अध्यक्षों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रशासनिक निदेशक मनमोहन गुप्ता ने आभार जताया। इस अवसर पर रवि गर्ग, गिरीश अग्रवाल, मनीष अरोड़ा, गौर शरण अग्रवाल, प्रभात सर्राफ, डॉ. ललित वार्ष्णेय, डॉ. अनुराग अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

राजस्थानी घूमर की रंगारंग प्रस्तुतियां छाईं

हरियाली तीज कार्यक्रम में क्रिएटिव फ्रेंड्स ग्रुप की सदस्याएं।

यूनिक समय, मथुरा। क्रिएटिव फ्रेंड्स ग्रुप की ओर से हरियाली तीज उत्सव स्थानीय होटल में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। शुभारंभ संस्थापिका अर्चना अग्रवाल, नीना जैन और सुमनलता शर्मा ने राधा–कृष्ण की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजन में राजस्थानी संस्कृति की झलक देखने को मिली। मानसी, अनिता, हिना, अर्चना, नीना और ऋतु ने राजस्थानी लोकनृत्य घूमर की आकर्षक प्रस्तुति देकर माहौल को रंगीन

क्रिएटिव फ्रेंड्स ग्रुप के आयोजन में महिलाओं ने बिखेरा सांस्कृतिक रंग

बना दिया। वहीं नवीन सदस्यों ममता शर्मा, कामिनी जैन, रीटा चौधरी, अर्चना गर्ग, शैली, मीनू भाटिया, बबीता राजपाल, पायल, रश्मि, रिचा, विनीता, रीना और तृप्ति माहेश्वरी ने घूमर और रैम्प वॉक की प्रस्तुतियां दीं। प्रियंका शर्मा और अंतिमा गर्ग ने भी राजस्थानी लोकगीत पर मनमोहक नृत्य किया।

सोनल और निधि ने हास्य प्रस्तुति देकर सदस्यों का मनोरंजन किया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, हाऊ जी और समय पालन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। हाऊ जी की विजेताओं में पूनम चतुर्वेदी, गीता चौधरी, आरती गुप्ता, चीना, संगीता जैन, निमिषा और अंजू अग्रवाल आदि शामिल रहीं। संचालन मानसी मित्तल ने किया, अर्चना अग्रवाल ने आभार जताया।

कार्यक्रम में राजस्थानी परिधान, कृत्रिम आभूषण, हैंडबैग, डायरियां और गृह सज्जा सामग्री के स्टॉल भी लगाए गए, जहां सदस्यों ने खरीदारी की। इस अवसर पर बीना गर्ग, नीता मित्तल, निधि गुप्ता, शालू बांगा, रुचि गुप्ता और मीरा सहित कई सदस्य मौजूद रहीं।

गोपाल वाटिका में हरियाली तीज महोत्सव मनाया

हरियाली तीज महोत्सव में हाथों पर सजाई मेंहदी दिखाती महिला।

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन सेवा संस्थान के बैनर तले हरियाली तीज महोत्सव मनाया गया। छात्राओं ने सावन के गीत और मल्हार पर नृत्य किया और झूला का भी आनंद उठाया। छात्राओं के बीच हरियाली बहना और मेहंदी प्रतियोगिता भी हुई। अतिथि मंजू सर्राफ ने छात्राओं को सावन और हरियाली तीज के बारे में जानकारी दी। मेहंदी प्रतियोगिता में छाया प्रथम, आशिका, सपना द्वितीय और कोमल और लक्ष्मी तृतीय रहीं। हरियाली बहना प्रतियोगिता में रितिका प्रथम, कंचन द्वितीय और मनतीस तृतीय रहीं। इस अवसर पर मनोरमा, संध्या अग्रवाल, मंजू गर्ग, सब्या, अंजना , माधुरी, साधना, गनीता, ललिता, निकोलस, राधिका , खुशी, ज्योति, पायल और राखी आदि उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संयोजन सविता शर्मा, निधि मिश्रा और सायना अब्बासी ने किया। निदेशक विश्वनाथ गुप्ता ने आभार जताया।

केडी मेडिकल और केडी डेंटल कॉलेज में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

केडी डेंटल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर के मार्गदर्शन में तिरंगा रैली निकालते चिकित्सक और छात्र–छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर और आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप के दंत चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा रैली निकाली गई। संस्थान प्रमुखों के मार्गदर्शन में निकली तिरंगा रैली में डॉक्टरों, फैकल्टी सदस्यों, छात्र–छात्राओं, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर सीईओ अरुण अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, प्राचार्य और डीन डॉ. आर.के. अशोका, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, उप–प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, डॉ. प्रणीता जसवंत सिंह, डॉ. विक्रम शर्मा, डॉ. अम्बरीश कुमार, लेखाधिकारी लव कुमार अग्रवाल, केडी डेंटल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर आदि ने तिरंगा लेकर चल रहे चिकित्सकों और छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि तिरंगा देश की अस्मिता, गौरव और एकता का प्रतीक है, लिहाजा इसका सम्मान करना हर भारतवासी का कर्तव्य है।

केडी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, प्रो–कुलाधिपति मनोज अग्रवाल ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए तिरंगा यात्रा को भारत की एकता, गौरव और भारतीयता की पहचान का प्रतीक बताया। डॉ.

चिकित्सकों, प्राध्यापकों छात्र–छात्राओं ने दिया राष्ट्रप्रेम का संदेश

रामकिशोर अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि तिरंगा भारत के गौरव और पहचान का प्रतीक है। प्रो–कुलाधिपति मनोज अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि हम देश की प्रगति हेतु प्रतिबद्ध रहें और राष्ट्र व तिरंगे के प्रति सच्चा सम्मान व्यक्त करें।

तिरंगा रैली में प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर, डॉ. अजय नागपाल, डॉ. उमेश, डॉ. विवेक, डॉ. मनीष भल्ला, डॉ. अनुज, डॉ. राजीव, डॉ. श्रेय, डॉ. आदित्य, डॉ. प्रियंका, डॉ. लारा, डॉ. अनुश्री, डॉ. ज्योति, कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी नीरज छापड़िया, मनोज बंसल, बड़ी संख्या में फैकल्टी सदस्य, छात्र–छात्राएं और कर्मचारी उपस्थित थे। रैली के समापन पर सभी ने राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति अपने कर्तव्यों के निर्वहन का संकल्प लिया।

प्रेमिका की मौत के बाद किशोर प्रेमी ने भी तोड़ा दम

यूनिक समय, मथुरा। प्रेमी महिला के साथ किशोर द्वारा साथ जीने-मरने का वायदा भी उसने आज मौत को गले लगा कर पूरा कर दिया। महिला की गुरुवार को मौत हो गई थी। किशोर की भी आज इलाज के दौरान मौत हो गई। गौरतलब है कि मगोर्रा पुलिस ने हाइवे थाने के बॉर्डर के बिठ्ठल नगर इलाके से एक प्रेमी किशोर और उसकी प्रेमिका महिला को अचेतावस्था में अस्पताल में भर्ती कराया था। दोनों ने किसी तेज विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। महिला ने कल ही दम तोड़ दिया। प्रेमी अस्पताल में मौत और जिंदगी से लड़ रहा था। शुक्रवार प्रातः करीब पांच बजे उसने भी मौत को गले लगा लिया। किशोर जितेंद्र की प्रेमिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिवार के लोग अंतिम संस्कार के लिए ले गए। वहीं किशोर जितेंद्र निवासी देवीपुरा थाना हाईवे के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायविल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

उद्घाटन के इंतजार में राधा-कृष्ण पोशाक केंद्र

महीनों पहले तैयार भवन में अब तक नहीं खुली पोशाक की दुकानें

कारीगर बोले, बाहर से आ रही पोशाकों ने घटाया स्थानीय काम

उद्घाटन के इंतजार में सफेद हाथी साबित होता पोशाक केंद्र।

यूनिक समय, वृंदावन। गौरानगर कालोनी क्षेत्र में तैयार कराया गया राधाकृष्ण पोशाक केंद्र इन दिनों अपने उद्घाटन की बाट जोह रहा है। भवन का निर्माण कई महीने पहले पूरा हो चुका है, लेकिन परिसर में अभी तक पोशाक की एक भी दुकान शुरू नहीं हुई है। ऐसे में तैयार भवन फिलहाल शोपीस बना हुआ है। व्यापारी और कारीगर केंद्र के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

वृंदावन में राधाकृष्ण की पोशाक और ठाकुरजी की साज-सज्जा के सामान का बड़ा बाजार है। श्रावण और भादों में हरियाली तीज, रक्षाबंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और राधाष्टमी जैसे पर्वों पर देशभर से श्रद्धालु वृंदावन पहुंचते हैं। श्रद्धालु यहां से राधाकृष्ण की पोशाक, लड्डू गोपाल की प्रतिमा और पूजा-सज्जा से जुड़ी सामग्री खरीदकर ले जाते हैं। इसी बढ़ती मांग को देखते हुए प्रदेश सरकार की ओर से गौरानगर क्षेत्र में राधाकृष्ण पोशाक केंद्र का निर्माण कराया गया था। व्यापारियों को उम्मीद थी कि श्रावण मास में केंद्र का शुभारंभ हो जाएगा, जिससे यहां पोशाक की नई दुकानें शुरू होंगी और बाजार को व्यवस्थित स्थान मिलेगा। फिलहाल दुकानों के आवंटन और उद्घाटन का इंतजार बना हुआ है। व्यापारियों का कहना है कि केंद्र शुरू होने से स्थानीय कारोबार को नई दिशा मिल सकती है।

सूरत-राजकोट की पोशाकों से स्थानीय कारीगर परेशान

पोशाक कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि वृंदावन में पोशाक बनाने वाले स्थानीय कारीगरों का काम लगातार घट रहा है। बाजार में सूरत और राजकोट से नई डिजाइन की पोशाकें बड़ी संख्या में पहुंच रही हैं। इसके चलते बाहरी कारोबारियों की पकड़ मजबूत हुई है। स्थानीय कारीगरों के पास पहले की अपेक्षा काफी कम काम रह गया है। व्यापारियों को उम्मीद है कि पोशाक केंद्र शुरू होने से स्थानीय कारीगरों और कारोबारियों को फिर से बाजार में बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

बंदर को मोबाइल फोन देखने का शौक

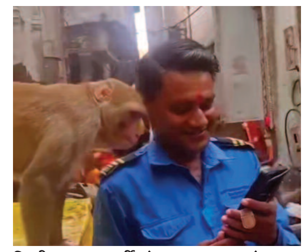
निजी सुरक्षा कर्मी के पास आकर मोबाइल देखता बंदर।

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में बंदरों की हरकत से हर कोई प्रभावित है, लेकिन एक बंदर के शौक से हर कोई हैरान है। शौक भी ऐसा कि देखने वालों की हंसी न रूक सके।

बांकेबिहारी मंदिर क्षेत्र में एक निजी सुरक्षा कर्मी तैनात है। उसके पास मोबाइल फोन है। वह जब भी अपना फोन खोलकर कुछ देखता है तो एक बंदर उसके पास आ जाता है।

फिर वह मोबाइल फोन में चल रही वीडियो को बड़े गौर से देखता है। इस नजारे को जब लोग देखते हैं तो हैरान रह जाते हैं।

आखिर वह बंदर हैं, जो श्रद्धालुओं को मोबाइल फोनों को छीनकर भाग जाते हैं तो दूसरी ओर एक बंदर को मोबाइल फोन देखने का शौक है।

हरियाली तीज से पहले वृंदावन के बाजारों में उमड़ी रौनक

बांकेबिहारी चार नंबर गली बाजार से लड्डू गोपाल खरीदती महिला श्रद्धालु।

यूनिक समय, वृंदावन। हरियाली तीज से एक दिन पहले शुक्रवार को मंदिरों की नगरी के बाजारों में श्रद्धालुओं की खूब चहल-पहल देखने को मिली। ठाकुर बांके बिहारी की नगरी में भक्तों ने अपने घरों में विराजमान लड्डू गोपाल के लिए नई-नई पोशाक, मुकुट, बांसुरी और श्रृंगार सामग्री की खरीदारी की। दुकानों पर सुबह से ही भक्तों की आवाजाही बनी रही और बाजार राधे-राधे के जयकारों से गूंजते रहे। हरियाली तीज पर्व पर हरे रंग का विशेष महत्व माना जाता है। इसी को देखते हुए लड्डू गोपाल के लिए हरे रंग की पोशाक, फूलों की पोशाक, जरीदार वस्त्र और आकर्षक श्रृंगार सामग्री श्रद्धालुओं की पहली पसंद बनी रही। प्रसिद्ध लोई बाजार और बांके बिहारी

लड्डू गोपाल और पोशाक की खरीद को जुटे श्रद्धालु

मंदिर के आसपास स्थित दुकानों पर पोशाकों की अलग-अलग डिजाइन और आकार उपलब्ध रहे। बाजार में लड्डू गोपाल के छोटे-बड़े स्वरूप के अनुसार पोशाकें, मुकुट, हार, मोरपंख और अन्य श्रृंगार सामग्री खरीदते श्रद्धालु नजर आए।

श्रद्धालुओं का कहना था कि हरियाली तीज पर वे अपने आराध्य लड्डू गोपाल का विशेष श्रृंगार करेंगे। घरों में ठाकुरजी को नई पोशाक पहनाकर झूले पर विराजमान कराने की तैयारियां भी की जा रही हैं।

चार दिन पूर्व नाले से बरामद शव की शिनाख्त

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा में रामपुर- मुड़ेसी नाले से चार दिन पूर्व बरामद अज्ञात युवक की शिनाख्त बिहार के एक मजदूर के रुप में उसके परिवार के लोगों ने की है। मगोर्रा पुलिस ने 11 अगस्त को रामपुर-मुड़ेसी नाले से एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया था। शिनाख्त के लिए युवक के शव को मोरचरी में 72 घंटे के लिए रखा गया था। मृतक युवक के किसी साथी ने शव के बारे में उसके परिवार को सूचना दी। परिवार के लोगों ने आज मोरचरी पहुंचकर मृतक युवक की शिनाख्त कमलेश पुत्र कन्हैया निवासी जिला छपरा बिहार के रूप में की है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया।

रक्तदान कर दिया मानवता का संदेश

यूनिक समय, राया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और रक्तदाता फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में अखंड भारत संकल्प दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। शुभारंभ मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार शर्मा और चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल ने किया। उन्होंने रक्तदाता फाउंडेशन और संघ के स्वयंसेवकों के इस प्रयास की सराहना की। शुभम गोयल, कपिल बजाज और रविन्द्र कुमार ने बताया शिविर में बृजवासी चेरिटेबल ब्लड सेंटर मथुरा का सहयोग मिला। संस्थापक अमित गोयल ने बताया कि शिविर में सभी रक्तदाताओं की शुगर और कोलेस्ट्रॉल की निःशुल्क जांच की गई है। सभी रक्तदाताओं को एक साल के लिए डिस्काउंट कार्ड दिया गया है। शिविर में अखिल अग्रवाल, जीतू, मोहित अग्रवाल, प्रतुल गंगल, अंकुर, शुभम, पिंकी, बबीता और आकाश भट्ट आदि मौजूद थे।

सुविचार

हार केवल एक पड़ाव है, मंजिल तक पहुंचने का हौसला कभी कम मत होने दीजिए।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	06:47-05:29 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	उत्तर फाल्गुनी	03:42-03:25 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:54 AM	चन्द्रोदय	08:17 AM
सूर्यास्त		6:53 PM	चंद्रास्त	08:34 PM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:15-05:43
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		09:09 AM: 10:46 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, परिवार में सुख-शांति रहेगी और स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ: कल रुके हुए काम पूरे होंगे। धन लाभ के अवसर मिलेंगे, व्यापार में प्रगति होगी और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

मिथुन: कल नई योजनाएं सफल होंगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा, नौकरी में अवसर बढ़ेंगे और आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना लाभदायक रहेगा।

कर्क: कल मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ेगा, परिवार में खुशियां आएंगी और स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें।

सिंह: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और महत्वपूर्ण निर्णय सफल होंगे। कारोबार में लाभ मिलेगा, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और परिवार का सहयोग मिलेगा।

कन्या: कल कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ के योग हैं, प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

तुला: कल नए अवसर सामने आएंगे और व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में जिम्मेदारी बढ़ सकती है, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृश्चिक: कल पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

धनु: कल यात्रा के योग बनेंगे और महत्वपूर्ण मुलाकात होगी। नौकरी में तरक्की संभव है, खर्च बढ़ने से बजट संभालें।

मकर: कल मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे, धन लाभ हो सकता है ।

कुंभ: कल रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। नए संपर्क लाभदायक रहेंगे, आर्थिक स्थिति सुधरेगी और मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके कार्य पूरे होंगे। नौकरी–व्यवसाय में लाभ मिलेगा, परिवार का सहयोग रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा।

देवकली तीर्थ की मिट्टी से पाएं सुरक्षा

घर में घुस आते हैं सांप, तो ले आइए इस मंदिर की मिट्टी

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में स्थित पौराणिक देवकली तीर्थ के शिव मंदिर की मिट्टी को घर में रखने से सांप नहीं आते। यह तीर्थ महाभारत कालीन राजा जन्मेजय की नाग यज्ञ स्थली के रूप में प्रसिद्ध है। माना जाता है कि राजा जन्मेजय ने अपने पिता राजा परीक्षित की मृत्यु का बदला लेने के लिए यहीं सर्प यज्ञ किया था। यहीं से निकलती हवन की भस्म और अवशेष आज भी तीर्थ स्थल पर मौजूद हैं।

तीर्थ स्थल लखीमपुर शहर से लगभग 8 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है और नाग पंचमी के दिन यहां मेला लगता है। मंदिर के महंत सुमेर गिरी के अनुसार, श्रद्धालु यज्ञ कुंड की मिट्टी अपने घर ले जाते हैं। ऐसा करने से घर में सांप नहीं आते और घरवाले सुरक्षित रहते हैं। महंत ने बताया कि नाग पंचमी के दिन मिट्टी निकाल कर भक्तों को दी जाती है, जो इसे घर में रखकर अपने आसपास सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

मिट्टी रखने का सही तरीका: महंत सुमेर गिरी बताते हैं कि घर में मिट्टी को तीन कोनों में रखें। चौथे कोने में मिट्टी न रखें। जिस कोने में मिट्टी नहीं रखी जाएगी, उसी रास्ते से यदि घर में कोई सांप आया तो वह निकल जाएगा और फिर कभी वापस नहीं आएगा। यह सरल उपाय घर में सांपों के डर से छुटकारा दिलाने में कारगर माना जाता है।

देवकली तीर्थ का महत्व : देवकली तीर्थ को पहले देवस्थली के नाम से जाना जाता था। यह स्थल नाग पूजा और काल सर्प योग निवारण के लिए तंत्र साधना का प्रमुख केंद्र भी माना जाता है। यहां दूर–दूर से श्रद्धालु आते हैं और शिवलिंग का जलाभिषेक तथा नाग पूजा करते हैं। नाग पंचमी पर आयोजित मेले में लोग विशेष पूजा और हवन में भाग लेते हैं। स्थानीय लोगों का विश्वास है कि इस मंदिर की मिट्टी में अद्भुत चमत्कारिक शक्ति है। न केवल सांपों से सुरक्षा मिलती है, बल्कि घर में सकारात्मक ऊर्जा और सुरक्षा का अनुभव भी होता है। कई श्रद्धालु बताते हैं कि इस मिट्टी के प्रयोग से घर में सांपों का डर समाप्त हो गया और परिवार में शांति बनी। इस तरह, देवकली तीर्थ की मिट्टी घर में रखने की परंपरा स्थानीय लोगों और तीर्थ यात्रियों के लिए एक सुरक्षा और आस्था का प्रतीक बन गई है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

बच्चों की पढ़ाई में सही दिशा बढ़ाए एकाग्रता

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में घर के अध्ययन कक्ष की दिशा को बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और सकारात्मक सोच से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि स्टडी रूम का वातावरण अनुकूल होने पर बच्चे पढ़ाई में बेहतर तरीके से मन लगा पाते हैं और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। हालांकि ये वास्तु संबंधी मान्यताएं हैं, पढ़ाई में सफलता के लिए नियमित अभ्यास और अनुशासन भी जरूरी है।

वास्तु के अनुसार बच्चों का अध्ययन कक्ष ईशान कोण और पूर्व दिशा के बीच, उत्तर और वायव्य कोण के बीच या पश्चिम और वायव्य कोण में बनाया जा सकता है। इन दिशाओं को ज्ञान और एकाग्रता के लिए अनुकूल माना जाता है। वहीं दक्षिण–पूर्व, नैऋत्य और आग्नेय क्षेत्र में स्टडी रूम बनाने से बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इन स्थानों पर पढ़ाई का वातावरण बच्चों को बेचैन कर सकता है और उनका ध्यान जल्दी भटक सकता है। अध्ययन कक्ष में पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी और ताजी हवा का प्रवेश होना चाहिए। इससे कमरे में घुटन कम होती है और बच्चा पढ़ाई के दौरान अधिक सहज महसूस कर सकता है। कमरे में अनावश्यक सामान जमा करने से भी बचना चाहिए। स्टडी टेबल को दीवार से बिल्कुल सटाकर रखने के बजाय पीछे थोड़ा स्थान छोड़ना बेहतर माना जाता है।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार बच्चे को पढ़ते समय अपना मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखना शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इससे एकाग्रता बनी रहती है। किताबें और जरूरी अध्ययन सामग्री व्यवस्थित रखना भी उपयोगी है। शांत वातावरण, पर्याप्त प्रकाश, नियमित समय–सारिणी और लगातार अभ्यास बच्चों की पढ़ाई को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पंचमुखी हनुमान के पांच मुखों में छिपा है आशीर्वाद

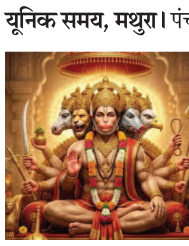

यूनिक समय, मथुरा। पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप सनातन परंपरा में अत्यंत शक्तिशाली माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब अहिरावण भगवान राम और लक्ष्मण को पाताल लोक ले गया था, तब उन्हें मुक्त कराने के लिए हनुमान जी ने पंचमुखी रूप धारण किया। मान्यता है कि पांच दिशाओं में रखे दीपकों को एक साथ बुझाने के लिए उन्होंने पांच स्वरूपों का सहारा लिया और अहिरावण का वध किया। पंचमुखी हनुमान के पांच मुख अलग–अलग शक्तियों के प्रतीक माने जाते हैं। पूर्व दिशा का वानर मुख साहस, भक्ति, यश और शक्ति से जुड़ा है। दक्षिण दिशा का नरसिंह मुख भय से मुक्ति, शत्रुओं पर विजय और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। पश्चिम दिशा का गरुड़ मुख विषैले प्रभावों तथा नकारात्मक शक्तियों से रक्षा करने वाला माना जाता है। उत्तर दिशा का वराह मुख स्वास्थ्य, दीर्घायु, स्थिरता और समृद्धि से संबंधित माना जाता है। ऊपर की ओर स्थित हयग्रीव मुख ज्ञान, बुद्धि और विजय का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण विद्यार्थी और ज्ञान की साधना करने वाले लोग इस स्वरूप को विशेष महत्व देते हैं। धार्मिक मान्यताओं में पंचमुखी हनुमान की तस्वीर को घर में शुभ माना जाता है। इसे लगाने से पहले घर की परंपरा और पूजा–विधि का ध्यान रखना चाहिए। सामान्यतः पंचमुखी हनुमान की तस्वीर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां नियमित रूप से पूजा और दर्शन हो सकें। मान्यता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक पूजा करने से भय दूर होता है तथा घर में सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

हर मुख है अलग शक्ति, सुरक्षा और समृद्धि का प्रतीक

पहली बार व्रत रखने वाली महिलाएं ऐसे करें तीज पूजा

यूनिक समय, मथुरा। हरियाली तीज का पर्व इस बार 15 अगस्त को मनाया जाएगा। सावन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 14 अगस्त की शाम 6:46 बजे से शुरू होकर 15 अगस्त की शाम 5:28 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार पर्व 15 अगस्त को मनाया जाएगा। यह दिन स्वतंत्रता दिवस के साथ पड़ने के कारण इस बार विशेष संयोग बना है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार हरियाली तीज भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन से जुड़ा पर्व है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। इसी कारण विवाहित महिलाएं पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से व्रत रखती हैं। कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर की कामना से यह व्रत कर सकती हैं।

पहली बार व्रत रखने वाली महिलाओं को सुबह जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए। इसके बाद स्वच्छ वस्त्र पहनकर पूजा स्थल की सफाई करें और व्रत का संकल्प लें। हरे रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। कई परिवारों में मायके से आए सिंधारे की साड़ी, चूड़ियां, मेहंदी, मिठाई और शृंगार सामग्री पहनने की परंपरा है। पूजा के लिए चौकी पर भगवान शिव, माता पार्वती और श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित करें। माता पार्वती को सोलह शृंगार की सामग्री, सिंदूर, मेहंदी, चूड़ियां और चुनरी अर्पित करें। भगवान शिव को जल, बेलपत्र, फूल, अक्षत और अन्य पूजन सामग्री चढ़ाएं। इसके बाद हरियाली तीज की व्रत कथा पढ़ें या सुनें और धूप–दीप से आरती करें। पूजा के बाद घर के बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना शुभ माना जाता है।

सोलह शृंगार के साथ शिव–पार्वती पूजन करें

झूला झूलना धार्मिक नियम नहीं, लोक परंपरा है

पहली बार व्रत रखने वाली महिलाएं सुबह स्नान कर संकल्प लें

हरियाली तीज पर झूला झूलने की परंपरा का विशेष आकर्षण है। मान्यता है कि भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन की खुशी में माता पार्वती की सखियों ने झूला डाला था। तभी से तीज पर झूला झूलने और पारंपरिक गीत गाने की परंपरा चली आ रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में इसका विशेष उत्साह दिखाई देता है।

झूला झूलना पूजा या व्रत के लिए अनिवार्य धार्मिक नियम नहीं है, बल्कि लोक परंपरा और उत्सव का हिस्सा है। व्रत रखने वाली महिलाएं सोलह शृंगार कर पूजा के बाद झूला झूलती हैं। व्रत का पारण अगले दिन पूजा, दान–पुण्य और परिवार की परंपरा के अनुसार किया जाता है।

सम्पादकीय

आजादी के 79 साल सवाल वही जवाब नए

15 अगस्त आते ही देशभक्ति का तापमान मौसम से कुछ डिग्री ऊपर पहुंच जाता है। तिरंगा हर गली में दिखता है, भाषणों में विकास दौड़ता है और सामाजिक माध्यमों पर देशप्रेम की ऐसी बाढ़ आती है कि लगता है भारत ने कल ही विश्वकप, चंद्रमा और महंगाई–तीनों को एक साथ जीत लिया हो। लेकिन जैसे ही समारोह खत्म होता है, देशभक्ति अगले वर्ष की तारीख तक सुरक्षित रख दी जाती है। 79 वर्षों में भारत ने सचमुच लंबी छलांग लगाई है। कभी खाद्यान्न के लिए दुनिया की ओर देखने वाला देश आज अंतरिक्ष में अपने निशान छोड़ रहा है। डिजिटल भुगतान से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक भारत की रफ्तार देखकर दुनिया प्रभावित है। समस्या यह है कि तकनीक की गति और हमारी नागरिक आदतों की गति में अभी काफी अंतर है। मोबाइल पर कुछ सेकंड में भुगतान हो जाता है, लेकिन कूड़ेदान तक पहुंचने में नागरिकता अक्सर पैदल भी नहीं चलती।

पवन गौतम
संपादक

लोकतंत्र हमारी सबसे बड़ी उपलब्धियों में है, मगर इसकी परीक्षा चुनाव के दिन नहीं, रोज होती है। चुनाव में हम बटन दबाकर सरकार चुन लेते हैं, फिर पांच साल तक शिकायतों का बटन दबाते रहते हैं। संसद में बहस हो तो शोर कम करने की मांग होती है, शोर हो तो बहस की मांग। सत्ता पक्ष विपक्ष को बाधा मानता है और विपक्ष सत्ता को। जनता दोनों को देखकर सोचती है कि आखिर काम कौन करेगा?

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

स्वतंत्रता का अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं, बल्कि भय, भ्रष्टाचार, भेदभाव और अज्ञान से भी मुक्ति है। संविधान हमें अधिकार देता है, मगर कर्तव्यों की रसीद भी साथ में देता है। दुर्भाग्य से हम अधिकारों की प्रति तो संभालकर रखते हैं, कर्तव्यों वाला पन्ना अक्सर खो जाता है।

विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब विकास केवल आंकड़ों में नहीं, व्यवहार में भी दिखाई दे। सड़क बने तो गड्ढे कम हों, स्कूल हो तो शिक्षा बढ़े, अस्पताल हो तो इलाज मिले और राजनीति हो तो संवाद भी हो।

इस स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे को सलाम करते हुए एक छोटा संकल्प भी लें–देश बदलने से पहले अपनी आदत बदलेंगे। क्योंकि राष्ट्रनिर्माण में सरकार की भूमिका बड़ी हो सकती है, लेकिन नागरिक की भूमिका छुट्टी पर नहीं जाती। यही असली आजादी होगी।

नजरिया

विदेशी चंदे पर नियंत्रण में संतुलन जरूरी

ललित गर्ग

विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लोकसभा द्वारा 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजना भारतीय लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम है। यह निर्णय केवल किसी विधेयक को आगे की संसदीय प्रक्रिया में भेजने तक सीमित नहीं है, बल्कि विदेशी चंदे, राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिक समाज की स्वतंत्रता और सरकारी नियमन के बीच संतुलन पर गंभीर विमर्श का अवसर भी देता है। विदेशी धन के दुरुपयोग पर रोक लगाना आवश्यक है, लेकिन इस प्रक्रिया में वैध सामाजिक संस्थाओं की स्वायत्तता और जनसेवा की भावना प्रभावित न हो, यह भी उतना ही जरूरी है।

भारत में विदेशी अंशदान को नियंत्रित करने की व्यवस्था नई नहीं है। विदेशी धन के माध्यम से देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर बाहरी प्रभाव की आशंका को देखते हुए 1976 में पहली बार कानून बनाया गया था। वर्ष 2010 में नया एफसीआरए कानून अस्तित्व में आया और 2020 सहित बाद के वर्षों में इसके प्रावधानों को और कठोर बनाया गया। आज एफसीआरए केवल विदेशी चंदे की प्राप्ति और उसके उपयोग का हिसाब रखने वाला कानून नहीं है, बल्कि इसका संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और पारदर्शिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों से भी जुड़ गया है।

उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि इस कानून का दायरा कितना व्यापक है। 15 जुलाई 2026 तक देश में 14,449 एफसीआरए प्रमाणपत्र सक्रिय थे, जबकि 22,498 रद्द और 15,212 समाप्त हो चुके थे। वर्ष 2019 से 2022 के बीच 13,520 संगठनों को करीब 55,741 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान प्राप्त हुआ। इतनी बड़ी राशि के मद्देनजर यह सुनिश्चित करना स्वाभाविक रूप से जरूरी है कि धन का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही हो। पारदर्शी लेखांकन, नियमित निगरानी और कानून का पालन किसी भी संस्था के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सवाल भी उठता है। किसी संस्था का एफसीआरए पंजीकरण समाप्त या रद्द हो जाना अपने आप में वित्तीय अपराध या राष्ट्रविरोधी गतिविधि का प्रमाण नहीं माना जा सकता। पंजीकरण समाप्त होने के प्रशासनिक और प्रक्रियागत कारण भी हो सकते हैं। इसलिए कानून बनाते समय कार्रवाई और अपराध के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना आवश्यक है। प्रस्तावित विधेयक में 'नामित प्राधिकरण' की व्यवस्था इसी कारण विशेष ध्यान आकर्षित करती है। पंजीकरण रद्द होने, संस्था द्वारा स्वयं पंजीकरण छोड़ने अथवा नवीनीकरण न होने की स्थिति में विदेशी अंशदान और उससे निर्मित संपत्तियों को अस्थायी रूप से इस प्राधिकरण के अधीन लाने का प्रावधान है। निर्धारित अवधि में पंजीकरण बहाल न होने पर संपत्तियों को स्थायी रूप से निहित करने और सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए उनके उपयोग या बिक्री की व्यवस्था प्रस्तावित है। बिक्री से प्राप्त धन और अप्रयुक्त विदेशी अंशदान को भारत की समेकित निधि में जमा करने का प्रावधान भी है। राष्ट्रीय हित से जुड़े गंभीर मामलों में कठोर कार्रवाई से किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यदि विदेशी धन का इस्तेमाल आतंकवाद, हिंसा, अलगाववाद, जबरन धर्मांतरण, राजनीतिक अस्थिरता या देश की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में होता है, तो सरकार को प्रभावी कार्रवाई का पूरा अधिकार होना चाहिए। विदेशी वित्तपोषण की आड़ में देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। परंतु दूसरी ओर उन संस्थाओं को भी उसी नजर से देखना उचित नहीं होगा जो अस्पताल, विद्यालय, राहत केंद्र, महिला एवं बाल कल्याण कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण अथवा आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। यदि ऐसी संस्था से कोई प्रक्रियागत या तकनीकी चूक हो जाती है तो उसके वर्षों के सामाजिक कार्य और उससे निर्मित परिसंपत्तियों पर तत्काल सरकारी नियंत्रण स्थापित करने से पहले परिस्थितियों का समुचित मूल्यांकन होना चाहिए। कानून का उद्देश्य गलतियों को सुधारना होना चाहिए, न कि वैध सामाजिक सेवा की पूरी व्यवस्था को बाधित करना।

इसी संदर्भ में संयुक्त संसदीय समिति की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। समिति में सरकार और विपक्ष दोनों के सदस्य अपनी बात रख सकते हैं। विधि विशेषज्ञों, वित्तीय विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और सुरक्षा एजेंसियों के विचार भी लिए जा सकते हैं। इससे विधेयक के उन प्रावधानों की पहचान संभव होगी जिनसे अनावश्यक प्रशासनिक कठोरता पैदा हो सकती है। संसद में बहुमत के आधार पर कानून पारित होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, लेकिन व्यापक सामाजिक प्रभाव वाले कानूनों की गहन जांच लोकतंत्र को और मजबूत करती है।

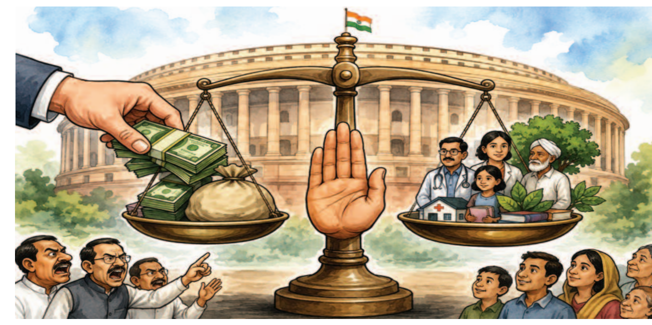

विधेयक में कुछ संतुलनकारी प्रावधान भी हैं। धार्मिक स्थल की धार्मिक प्रकृति को समाप्त या परिवर्तित नहीं करने की व्यवस्था महत्वपूर्ण है। प्रभावित संस्था को 90 दिनों के भीतर पुनरीक्षण का अधिकार और जिला न्यायाधीश के समक्ष अपील का अवसर दिया गया है। सरकार के अनुसार पंजीकरण बहाल होने पर अस्थायी रूप से निहित संपत्तियां और अप्रयुक्त धन वापस किए जाने का प्रावधान भी है। हालांकि वास्तविक प्रश्न इन अधिकारों की प्रभावशीलता और स्वतंत्रता का है। केवल कानून में अधिकार लिख देना पर्याप्त नहीं, उनके निष्पक्ष और समयबद्ध इस्तेमाल की व्यवस्था भी जरूरी है। नवीनीकरण से संबंधित नए मानदंडों पर भी समिति को गंभीरता से विचार करना चाहिए। पिछले दो वित्तीय वर्षों में कम से कम 10 लाख रुपये विदेशी अंशदान के उपयोग को सक्रिय संस्था की पहचान से जोड़ने का उद्देश्य निष्क्रिय संस्थाओं पर नियंत्रण रखना हो सकता है, लेकिन हर सामाजिक संस्था के लिए इतनी राशि खर्च करना संभव नहीं है। कई छोटे संगठन सीमित संसाधनों में महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। किसी संस्था की सामाजिक उपयोगिता का आकलन केवल उसके वित्तीय लेनदेन के आधार पर नहीं किया जा सकता। एफसीआरए की बहस को केवल सरकार बनाम विपक्ष का विवाद बनाना भी उचित नहीं होगा। वास्तविक मुद्दा यह है कि भारत विदेशी धन को किस सीमा और किन शर्तों पर स्वीकार करे तथा यह सुनिश्चित कैसे करे कि विदेशी संसाधन भारतीय समाज के हित में इस्तेमाल हों। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नियमन के नाम पर सरकार की शक्ति इतनी व्यापक न हो जाए कि वैध असहमति रखने वाले नागरिक संगठनों को भी संदेह की नजर से देखा जाने लगे। नागरिक समाज लोकतंत्र का विरोधी नहीं, बल्कि उसका महत्वपूर्ण सहयोगी है। स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, महिला सशक्तीकरण, दिव्यांग कल्याण और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में हजारों संस्थाएं काम कर रही हैं। विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाली प्रत्येक संस्था को पारदर्शिता, लेखांकन और कानून के पालन के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। लेकिन सरकार की जवाबदेही भी कम नहीं है। नियमन का उद्देश्य संस्थाओं को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि धन के सही और निर्धारित उपयोग को सुनिश्चित करना होना चाहिए। इसलिए संयुक्त संसदीय समिति के सामने सबसे बड़ी चुनौती संतुलन स्थापित करने की है। उसे न तो सरकारी कठोरता को बिना जांच स्वीकार करना चाहिए और न विपक्ष की हर आशंका को अंतिम सत्य मानना चाहिए। तथ्यों, कानून, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक अधिकारों के आधार पर व्यापक विचार–विमर्श जरूरी है। एफसीआरए में सुधार का वास्तविक अर्थ ऐसा ढांचा तैयार करना है जिसमें विदेशी धन की पारदर्शिता सुनिश्चित हो, राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई हो और साथ ही वैध सामाजिक संस्थाओं की स्वतंत्रता सुरक्षित रहे। कानून में अपराध के प्रति कठोरता और जनसेवा के प्रति संवेदनशीलता दोनों का स्थान होना चाहिए। विदेशी चंदे पर नियंत्रण जरूरी है, लेकिन उस नियंत्रण का असर जनसेवा पर अंकुश के रूप में नहीं पड़ना चाहिए। यही इस विधेयक और भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक कसौटी है।

विचार विंडो

हरतालिका तीज, स्त्रियों की आस्था और संकल्प का पर्व

राम प्रकाश शर्मा

हरतालिका तीज भारतीय संस्कृति और आस्था का वह पर्व है, जो केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं करता, बल्कि नारी–शक्ति, आत्मबल और समर्पण की गहन अभिव्यक्ति भी है। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला यह व्रत उत्तर भारत, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड और नेपाल के अनेक हिस्सों में अत्यधिक श्रद्धा और उत्साह से संपन्न होता है। इस वर्ष यह तिथि 14 सितंबर 2026, मंगलवार को पड़ रही है।

हरतालिका तीज को सबसे कठिन व्रतों में गिना जाता है। विवाहित महिलाएँ इस दिन निर्जला उपवास रखती हैं और अपने पति की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और दांपत्य जीवन की समृद्धि की कामना करती हैं। अविवाहित कन्याएँ भी यह व्रत करती हैं ताकि उन्हें योग्य वर की प्राप्ति हो। इस प्रकार यह पर्व केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि स्त्रियों के व्यक्तिगत अधिकारों और इच्छाओं की पूर्ति का माध्यम भी बनता है।

इस व्रत का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह से जुड़ा है। पौराणिक कथा के अनुसार, माता सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में देह त्यागने के बाद पर्वतराज हिमवान के घर पार्वती के रूप में पुनर्जन्म लिया। बचपन से ही उनका हृदय भगवान शिव को पति रूप में पाने की चाह से भरा हुआ था। किंतु हिमवान, जिन्हें हिमनरेश की उपाधि दी गई थी, अपनी पुत्री का विवाह भगवान विष्णु से करना चाहते थे। नारद मुनि के परामर्श पर जब यह प्रस्ताव सामने आया, तो हिमवान सहर्ष तैयार हो गए। यह समाचार पार्वती को गहन पीड़ा देने वाला था। अपनी इच्छा और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए वे अपनी सखी के साथ वन की ओर चली गईं। जंगल में पार्वती ने मिट्टी से शिवलिंग बनाकर कठोर तपस्या आरंभ कर दी। उनका यह संकल्प और तप असाधारण था।

तपस्या के इस अदम्य बल से भगवान शिव प्रसन्न हुए और उन्होंने पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। भाद्रपद शुक्ल तृतीया के दिन ही दोनों का पावन विवाह हुआ। तभी से यह तिथि हरतालिका तीज के रूप में मनाई जाने लगी। इस व्रत का नाम भी इसी कथा से जुड़ा है। 'हरि' का अर्थ है हरण करना और 'तालिका' का अर्थ है सखी। क्योंकि पार्वती की सखी ने उनका हरण कर उन्हें वन में ले जाकर अनचाहे विवाह से बचाया था। हरतालिका तीज के अवसर पर पूजा–विधान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रातः स्नान कर महिलाएँ स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। पारंपरिक रूप से हरे या लाल रंग की साड़ियाँ इस दिन शुभ मानी जाती हैं। पूजा स्थान पर चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाकर शिव–पार्वती और गणेश जी की प्रतिमाएं या चित्र स्थापित किए जाते हैं। सबसे पहले गणेश जी की पूजा होती है और उसके बाद भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की जाती है। भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, चंदन और जनेऊ अर्पित किए जाते हैं, वहीं पार्वती को श्रृंगार सामग्री–सिंदूर, चूड़ियां, बिंदी, महावर, इत्र और कंघी समर्पित की जाती हैं। महिलाएं इस दिन व्रत कथा का पाठ या श्रवण करती हैं और अंत में आरती करके प्रसाद अर्पित करती हैं। व्रत का पारण अगले दिन सूर्योदय के बाद सात्विक भोजन के साथ किया जाता है।

किसी भी धार्मिक अनुष्ठान का महत्व केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं होता। हरतालिका तीज का वास्तविक महत्व समाज और संस्कृति के गहरे आयामों से जुड़ा है। यह पर्व महिलाओं के सामूहिक उत्सव का दिन होता है। वे पारंपरिक श्रृंगार करती हैं, मेंहदी रचाती हैं, झूले झूलती हैं और एक–दूसरे के साथ लोकगीत गाती हैं। यह पर्व स्त्री–शक्ति और आत्मबल का प्रतीक भी है। माता पार्वती की कथा केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि स्त्री–सशक्तिकरण के रूप में भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपनी इच्छा के विरुद्ध होने वाले विवाह को अस्वीकार कर अपने संकल्प और तपस्या से जीवन की दिशा स्वयं तय की। यह नारी आत्मनिर्णय, आत्मसम्मान और दृढ़ निश्चय का ऐसा संदेश है, जो आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना प्राचीन काल में था।

आज के वैज्ञानिक और आधुनिक युग में भी हरतालिका तीज का महत्व कम नहीं हुआ है। स्वास्थ्य की दृष्टि से देखा जाए तो उपवास शरीर को डिटॉक्स करने का कार्य करता है, पाचन तंत्र को विश्राम देता है और रोग–प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। वर्षा ऋतु के अंतिम चरण में यह उपवास संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव में भी सहायक सिद्ध होता है। मानसिक दृष्टि से भजन, कीर्तन और ध्यान से मन में शांति और सकारात्मक ऊर्जा आती है। सामूहिक अनुष्ठान सामाजिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाते हैं और आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही इस पर्व का एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय पहलू भी है। पूजा में मिट्टी की प्रतिमाओं का उपयोग, बेलपत्र, पीपल, तुलसी और स्थानीय फूल–पत्तियों का प्रयोग प्रकृति–संरक्षण का संदेश देता है। यह परंपरा हमें बताती है कि धर्म केवल ईश्वर–भक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य प्रकृति और समाज के साथ संतुलन स्थापित करना भी है।

हरतालिका तीज का संदेश केवल इतना ही नहीं कि महिलाएँ अपने पति की दीर्घायु की कामना करें, बल्कि इसका गहरा अर्थ यह है कि स्त्री जीवन शक्ति और त्याग का अद्भुत संगम है। इस व्रत के माध्यम से वह अपने भीतर के आत्मबल को पहचानती है और समाज को यह संदेश देती है कि विश्वास, धैर्य और समर्पण के साथ हर कठिनाई का सामना किया जा सकता है। आज जब जीवनशैली तेज़ हो गई है और परिवारों में समय और संवाद की कमी दिखाई देती है, तब हरतालिका तीज जैसे पर्व हमें पुनः सामूहिकता, एकता और पारिवारिक मूल्यों की ओर लौटने का अवसर देते हैं।

यह पर्व हमें याद दिलाता है कि भारतीय संस्कृति में त्योहार केवल रस्म नहीं, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन का आधार हैं। हरतालिका तीज का वास्तविक सौंदर्य इसी में है कि यह आस्था, स्वास्थ्य, पर्यावरण और संस्कृति का संगम है। यह पर्व स्त्री–शक्ति की उस अनंत धारा का प्रतीक है, जो हर युग में समाज को दिशा देती आई है। यही इसकी विशिष्टता है और यही भारतीय संस्कृति का अमर संदेश भी।

बरसात के मौसम में सूप पीने से सेहत को मिलते हैं जबरदस्त फायदे

यूनिक समय, मथुरा। मानसून के मौसम में कुछ चीजों खाने से मनाही होती हैं, क्योंकि बीमारियां होने का खतरा रहता है। लेकिन इस मौसम में सूप पीने से कई फायदे मिलते हैं। आइए जानते हैं सूप पीने से शरीर को क्या फायदे मिलते हैं।

मानसून के सीजन में गर्मी से राहत तो मिलती है, लेकिन बीमारियों का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। मानसून में हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करना और कई चीजें खाने से बीमारियों के संक्रमण फैलने का खतरा रहता है। लेकिन इस मौसम में सूप पीने से कई फायदे मिलते हैं। बरसात के मौसम में सूप पीने से जबरदस्त फायदे मिलते हैं। आइए जानते हैं सूप पीने से शरीर को क्या फायदे मिलते हैं।

पानी की कमी दूर करे : बरसात के मौसम में वातावरण में थोड़ी ठंडक होती है। जिस वजह से पानी पीना कम हो जाता है। जिस वजह से डिहाइड्रेशन का खतरा भी बढ़ जाता है। शरीर में होने वाली पानी की कमी को दूर करने के लिए आप सूप पी सकते हैं। मानसून में सूप पीने से बॉडी हाइड्रेट रखती है।

वजन कंट्रोल करता है : सूप में अत्यंत फाइबर पाई जाती है, जो आपके वजन को कंट्रोल करने में मदद करता है। 1 कटोरी सूप पीने से 5 से 10 ग्राम फाइबर मिलता है। यह वजन को कम करने में मदद करता है। इसे आप अपनी डाइट में जरूर शामिल कर सकते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए : बरसात के मौसम अक्सर इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाने के लिए वेजिटेबल सूप पी सकते हैं। इसमें जिंक, फॉसफोरस, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और सिलेनियम के गुण होते हैं।

हेल्दी स्किन के लिए : मानसून के मौसम में स्किन थोड़ी बेजान और ड्राई हो जाती है। इस मौसम में स्किन के रोगों को दूर रखने के लिए आप बारिश के मौसम में सूप पी सकते हैं। सूप में फाइबर सभी टॉक्सिंस को बाहर कर देता है। जिससे स्किन हेल्दी रहती है।

टॉक्सिंस निकाले : शरीर में जमा सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर करने के लिए आप 1 कटोरी सूप पिएं। यह फाइबर से भरपूर होता है, जो पेट अच्छे से साफ करता है।

सर्दी–जुकाम से राहत : बरसात के मौसम में अक्सर सर्दी–जुकाम जकड़ लेता है। इसका सेवन करने से गले की खराश व दर्द से भी आराम मिलती है।

सफेद बालों को इन हेयर कलर से दें सैलून जैसा इफेक्ट

यूनिक समय, मथुरा। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे लॉन्ग लास्टिंग हेयर कलर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो जल्दी नहीं छूटते हैं और साथ ही यह आपके बालों का टेक्सचर भी नहीं खराब करते हैं।

बहुत सारे लोग सफेद बाल होने पर हेयर कलर का उपयोग करते हैं। लेकिन हेयर कलर का इस्तेमाल सावधानी के साथ करना चाहिए। क्योंकि आजकल मार्केट में कई ब्रांड के हेयर कलर मिल जाते हैं। ऐसे में यदि हेयर कलर का चुनाव करते समय सावधानी न बरती जाए, तो आपको इचिंग, स्किन एलर्जी और रेडनेस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं लंबे समय तक इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से बालों के डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे लॉन्ग लास्टिंग हेयर कलर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो जल्दी नहीं छूटते हैं और साथ ही यह आपके बालों का टेक्सचर भी नहीं खराब करते हैं।

लॉरियल पेरिस सेमी पर्मानेंट हेयर कलर : ये सेमी पर्मानेंट हेयर कलर होता है, जोकि अमोनिया फ्री फॉर्मूले पर तैयार किया जाता है। इसमें शहद और कंडिशनर भी शामिल होता है। यह आपके बालों को ग्लॉसी फिनिश देने का काम करता है। वहीं आपको इसमें कई शेड्स मिल जाएंगे। सिर्फ 20 मिनट में यह हेयर कलर आपको घर पर ही सैलून जैसा फिनिश देता है। लॉरियल पेरिस सेमी पर्मानेंट हेयर कलर के एक पैक में आप कम से कम 28 बार अपने बालों को कलर कर सकती हैं।

हेयर कलर सॉफ्ट ब्लैक : सेमी पर्मानेंट कलर अमोनिया और पीपीडी फ्री होता है। इसमें रेसोर्सिनॉल, पैराबेन और एल्यूमिनियम भी नहीं रहता है। इसलिए इसको अप्लाई करने से आपको एलर्जी नहीं होती है। बता दें कि यह सौ फीसदी हर्बल सर्टिफाइड ऑर्गेनिक हेयर कलर है, जिसको महिलाएं और पुरुष दोनों इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं इसमें मौजूद हर्बल इंग्रीडिएंट्स बालों को यूवी रेज के इफेक्ट से बचाने का काम करते हैं। जिससे बालों का नेचुरल टेक्सचर मौजूद रहता है।

स्पीडी हेयर कलर : इस हेयर कलर में क्रीम फॉर्म में कलर के साथ 40 ग्राम के दो कंडिशनर मिलते हैं। इस हेयर कलर को सिर्फ 5 मिनट अप्लाई करने से आपके बालों को मनचाहा कलर मिलता है। वहीं यह हेयर कलर लॉन्ग लास्टिक होने के साथ इसमें भीनी–भीनी खुशबू बनी रहती है। शायद ही आपको इससे तेज कलरिंग इफेक्ट अन्य किसी प्रोडक्ट से मिले। इस हेयर कलर को भी महिला या पुरुष कोई भी इस्तेमाल कर सकता है।

पर्मानेंट हेयर कलर : यह एक परमानेंट हेयर कलर होता है, जोकि अमोनिया फ्री है। इसमें 92 फीसदी नेचुरल इंग्रीडिएंट्स मिले होते हैं और यह सर्टिफायड होता है। इसमें आपको 18 शेड्स मिलते है और यह पैराबेन और सल्फेट फ्री होता है। यह हेयर कलर आपके बालों को नरिशमेंट देने के साथ बालों का मॉइश्चर भी बनाए रखता है। इसमें प्लांट इंग्रीडिएंट्स जैसे– मीडोफोम सीड ऑयल और ऑलिव ऑलेइक एसिड जैसी चीजें होती हैं। जो आपके बालों को नेचुरल बनाए रखने में मदद करती हैं।

नेचुरल ब्लैक : यह हेयर कलर आपको पर्मानेंट कलर नेचुरल लुकिंग रिजल्ट देता है। बता दें कि यह अमोनिया, पीपीडी और रिसॉर्सिनॉल फ्री होता है, जो लॉन्ग लास्टिंग इफेक्ट के लिए जाना जाता है। इस हेयर कलर के एक पैक में पर्मानेंट क्रीम कलर के साथ कलर केयर शैंपू, कलर केयर कंडिशनर, डेवलपर, एक ब्रश और डिस्पोजेबल ग्लब्स भी मिलता है।

घर पर ऐसे बनाएं बर्गर, बाजार का बर्गर भूल जाएंगे बच्चे

यूनिक समय, मथुरा। बच्चों को बर्गर खाना बेहद पसंद होता है। अगर आप चाहें तो घर पर ही अपने बच्चों के लिए बर्गर बना सकते हैं। आइए बर्गर की इस बेहद आसान रेसिपी के बारे में जानते हैं।

बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी लोग बर्गर बड़े चाव के साथ खाते हैं। अगर आपका बच्चा भी अक्सर बर्गर खाने की जिद करता है तो आप घर पर ही अपने बच्चे की इस ख्वाहिश को पूरा कर सकते हैं। यकीन मानिए घर पर बना बर्गर खाकर आपके बच्चे बाजार के बर्गर को भूल जाएंगे। इस बर्गर को चखते ही बच्चे हों या फिर बड़े, सभी आपकी कुकिंग स्किल्स की तारीफ करते नजर आएंगे।

बनाने का तरीका: वेज बर्गर बनाने के लिए आपको एक कप बॉइल्ड मैश्ड आलू, हाफ कप बॉइल्ड मैश्ड गाजर और हाफ कप बॉइल्ड मैश्ड मटर की जरूरत पड़ेगी। इसके बाद एक कटोरे में इन तीनों चीजों के साथ बारीक कटा प्याज, हाफ कप ब्रेडक्रंब, एक स्पून जीरा पाउडर, एक स्पून धनिया पाउडर, नमक और काली मिर्च डालकर मिक्स कर लीजिए। अब इस टेस्टी मिक्सचर को टिक्की का शेप दे दीजिए और फिर गर्म तेल वाले पैन में इस टिक्की को दोनों साइड से अच्छी तरह से सेक लीजिए। इसके बाद बर्गर बन्स को भी सेक लीजिए। बर्गर बन्स के बीच में टिक्की रख दीजिए।

बाजार जैसा बर्गर बनाने के लिए आपको टिक्की के ऊपर लेट्युस, टमाटर और प्याज भी डालना है। अब आप गर्मागर्म बर्गर को हरी चटनी या फिर टोमैटो सॉस के साथ सर्व कर इसके टेस्ट का लुत्फ उठा सकते हैं। आपके बच्चों को भी घर पर बने इस बर्गर का टेस्ट इतना ज्यादा पसंद आएगा कि वो बाजार जाकर बर्गर खाने की जिद करना छोड़ देंगे।

दिल्ली के सबसे फेमस ढाबे, इनके आगे मुरथल ढाबा कुछ भी नहीं है?

यूनिक समय, नई दिल्ली। वैसे तो मुरथल के ढाबे अपने व्यंजनों के लिए सबसे ज्यादा फेमस हैं। दिल्ली के लोग भी इन ढाबों का स्वाद चखने के लिए मुरथल जाते हैं। विशेषकर वीकेंड पर इन ढाबों पर दिल्ली के लोगों की खासी भीड़ रहती है। आइए जानते हैं दिल्ली के सबसे फेमस ढाबे।

दिलवालों की दिल्ली में सबसे ज्यादा लोग खाने–पीने के शौकीन होते हैं। स्वाद चखने के लिए दिल्ली के लोग किसी भी जगह पर पहुंच जाते हैं। वहीं, सोनीपत के मुरथल स्थित ढाबे भी दिल्ली के लोगों को खासे पसंद हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको बताते हैं दिल्ली के बेहतरीन ढाबों के बारे में...

सफदरजंग एन्क्लेव स्थित राजिंद्र दा ढाबा

दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव में स्थित डीडीए मार्केट में फेमस राजिंद्र दा ढाबा है, यहां पर लोग नॉन वेज के व्यंजनों का स्वाद चखने के लिए दूर–दूर से आते हैं। इस ढाबे की मखमली मछली, गौलौती कबाब, चिकन बुराह और सती किचन इनकी विशेषताएं हैं। बटन नान इतनी मखमली होती है कि मुंह में रखते ही घुल जाती है। यदि आप सफदरजंग एन्क्लेव जा रहे हो, तो एक बार यहां को खाना जरूर ट्राई करें।

कुंदन ढाबा, करोल बाग

करोल बाग में देव नगर के पदम सिंह रोड़ पर कुंदन ढाबा मौजूद है। इस ढाबे पर ग्राहकों की भीड़ जुटी रहती है। विशेषकर छुट्टी के दिन तो यहां लंबी लाइन लगी रहती है। छुट्टी वाले दिन तो काफी भीड़ होती है। यहां पर शाकाहारी और मांसाहारी दोनों ही प्रकार को भोजन परोसे जाते हैं। नॉन वैज में तंदूरी चिकन, बटर चिकन और कबाब बहुत फेमस है, वहीं वैज की बात करें तो दाल मखनी और राजमा चावला सबसे ज्यादा डिमांड में रहते हैं। इसके साथ ही यहां अन्य व्यंजन काफी टेस्टी हैं, जिसने पहली बार खाया है, वह बार–बार आने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

करोल बाग का प्रेम ढाबा

दिल्ली के करोल बाग में स्थित प्रेम ढाबा बेहद फेमस है।

यह ढाबा न्यू रोहतक रोड पर ब्लॉक डी में है, यहां पर नॉन वेज और वेज व्यंजन परोसे जाते हैं। ग्राहकों में यहां की दाल मखनी भी बेहद प्रसिद्ध है। इसके साथ ही, शाही पनीर, कढ़ाई पनीर और पनीर बटर मसाला का भी स्वाद चख सकते हैं। अगर आप मांसाहारी के शौकीन हैं, तो यहां की चिकन करी, मटर करी आर्डर कर सकते हैं, जिसका स्वाद आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

दिल्ली छह की काके दी हट्टी

चांदनी चौक, दिल्ली 6 में काके दी हट्टी है सबसे ज्यादा फेमस है, यह देश का सबसे बड़ा नॉन वेज परोसने वाला ढाबा है। बता दें कि काके दी हट्टी ढाबा करीब 4 जेनरेशन से लोगों को अपने व्यंजनों के टेस्ट को परोस चुका हैं। यहां की सबसे फेमस धुआंधार नॉन, आलू प्याज नान, पनीर नान के साथ ही अमृतसरी थाली भी सबसे बढ़िया है। अगर आपने यहां के जायके का स्वाद नहीं लिया है तो एक बार जरुर जाए।

छतरपुर का अजीत खालसा ढाबा

छतरपुर में स्थित अजीत ढाबा काफी फेमस है। दरअसल, यह ढाबा टिवोली गार्डन के ठीक सामने छतरपुर रोड पर है। बता दे कि, यह ढाबा करीब 40 सालों से चल रहा है, उतना ही इसका असाधारण व्यंजन है। ज्यादातर फूड ब्लॉगर मानते है कि दिल्ली के टॉप ढाबों की बात की जाए तो छतरपुर का अजीत खालसा ढाबा सबसे ऊंचे स्थान पर है।

हाईकोर्ट बोला– 'पब्लिक नहीं, पब्लिसिटी इंटरेस्ट'

कांवड़ मार्ग पर मीट की दुकानें बंद कराने के खिलाफ याचिका खारिज

यूनिक समय, प्रयागराज। सावन माह में अमरोहा में चिकन और मटन की दुकानों को बंद कराने के लिए जारी नोटिस के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिका दाखिल करने की मंशा पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यह याचिका 'पब्लिक इंटरेस्ट' में नहीं, बल्कि 'पब्लिसिटी इंटरेस्ट' में दाखिल की गई है। अदालत की इस टिप्पणी के साथ ही याचिकाकर्ता को राहत नहीं मिल सकी।

याचिका अधिवक्ता नासिर फारूक की ओर से दाखिल की गई थी। इसमें सावन के दौरान अमरोहा में चिकन और मटन की दुकानों को बंद कराने के लिए जारी नोटिस की वैधानिकता को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मुस्तकीम अहमद ने अदालत को बताया कि कांवड़ यात्रा मार्ग से हटकर स्थित चिकन की दुकानों को भी पुलिस ने नोटिस जारी कर बंद करा दिया है। उनका दावा था कि इससे बड़ी संख्या में दुकानदारों और उनसे जुड़े लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है।

याचिका में दावा किया गया कि नोटिस में केवल चार सोमवार को दुकानें बंद रखने का उल्लेख था, लेकिन प्रशासन की ओर से पूरे सावन माह में चिकन और मटन की दुकानें नहीं खुलने दी गईं। आरोप यह भी लगाया गया कि कांवड़ मार्ग के अलावा गलियों और अन्य स्थानों पर स्थित दुकानों को भी बंद कराया गया। याची ने इन कथित अनडेटेड नोटिस को रद्द करने और प्रशासन की कार्रवाई में हस्तक्षेप की मांग की थी।

याचिका में यह भी कहा गया कि दुकानों के बंद रहने से सैकड़ों लोगों के सामने रोजगार और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता रामानंद पांडेय ने याचिका का विरोध किया।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। अदालत की 'पब्लिक इंटरेस्ट' के बजाय 'पब्लिसिटी इंटरेस्ट' वाली टिप्पणी सुनवाई के दौरान चर्चा में रही। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अमरोहा में सावन और कांवड़ यात्रा के दौरान मांस की दुकानों को बंद कराने से जुड़े मामले में याचिकाकर्ता को न्यायिक राहत नहीं मिली।

अवैध संबंध का विरोध किया तो कर दी दो युवकों की हत्या

यूनिक समय, बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में मंदिर के अंदर दो युवकों की हत्या कर शव दफनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि सिंगोली तगा गांव स्थित गणेश मंदिर के पुजारी नरेश नाथ ने अपने शिष्यों के साथ मिलकर दिव्यांग युवक अंकित और उसके दोस्त इसरार की हत्या कर दी। इसके बाद दोनों के शव मंदिर परिसर में ही गड्ढा खोदकर दफना दिए गए। किसी को शक न हो, इसके लिए उन्होंने ऊपर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाकर उसी स्थान पर धूना जलाया जाता रहा। दोनों युवकों के लंबे समय तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद जांच में पूरा मामला सामने आया।

पुलिस के अनुसार अंकित को पुजारी के किसी महिला से कथित अवैध संबंधों की जानकारी हो गई थी। उसने इसका विरोध करते हुए पुजारी को पीछे हटने के लिए कहा था। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर पुजारी ने अंकित और उसके दोस्त इसरार को रास्ते से हटाने की साजिश रची। 25 जुलाई को अंकित अपने दोस्त इसरार की बाइक से खेकड़ा जाने की बात कहकर घर से निकला था। बताया गया कि वह पहले गणेश मंदिर पहुंचा था। जांच के दौरान पुलिस ने पुजारी से पूछताछ की तो उसने दोनों युवकों के मंदिर आने की बात स्वीकार की, लेकिन इसके बाद उनके बारे में जानकारी होने से इनकार किया। पुलिस ने उसे गांव से बाहर नहीं जाने की हिदायत देकर छोड़ दिया था। इसके बाद पुजारी अपने एक शिष्य के साथ फरार हो गया, जिससे पुलिस का शक और गहरा गया। पुलिस ने पुजारी के शिष्य उज्ज्वल को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों युवकों को चाय में नींद की

मंदिर में दफनाए शव टाइल्स बिछाकर ऊपर जलाता रहा धूना

गोलियां दी गईं और बाद में जहरीला इंजेक्शन लगाकर उनकी हत्या कर दी गई। इसके बाद शवों को मंदिर परिसर में दफना दिया गया और ऊपर टाइल्स बिछाकर धूना जला दिया गया।

अंकित की बहन ने 29 जुलाई को चांदीनगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने उज्ज्वल की निशानदेही पर दोनों शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। घटनास्थल से नींद की गोलियों का रैपर समेत अन्य साक्ष्य भी मिले हैं। पुलिस अब फरार पुजारी नरेश नाथ और उसके दूसरे शिष्य की तलाश में दबिश दे रही है। उधर, दोनों युवकों की मौत से उनके परिवारों में कोहराम मचा है।

'अरबपति बनने का ख्वाब' और डॉक्टर की मौत

डायरी ने खोला ठगी के खेल का राज

यूनिक समय, गोरखपुर। ठगी के एक सनसनीखेज मामले ने पुलिस को भी हैरान कर दिया है। गोरखपुर में 42 वर्षीय डॉक्टर परमात्मा सिंह ने अपार्टमेंट की आठवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। उनकी जेब से मिले सुसाइड नोट में गरिमा सिंह और उसके गिरोह को जिम्मेदार बताया गया है।

पुलिस के अनुसार डॉक्टर से करीब 1.40 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी। अब आरोपी गरिमा सिंह की बरामद डायरी ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। पुलिस के मुताबिक गरिमा सिंह ने डॉक्टर को उनका होम लोन खत्म कराने का भरोसा दिया था।

इसी विश्वास में डॉक्टर ने अपने जरूरी दस्तावेज उसे सौंप दिए। आरोप है कि दस्तावेज मिलने के महज दो दिन के भीतर छह अलग–अलग बैंकों से करीब 1.40 करोड़ रुपये का लोन लिया गया और रकम अलग–अलग खातों में ट्रांसफर कर दी गई।

बताया जा रहा है कि ठगी की साजिश को अंजाम देने से पहले गरिमा ने डॉक्टर का भरोसा बनाए रखने के लिए दो–तीन महीने तक लोन की किस्तें भी जमा कीं।

बाद में किस्तें बंद हो गईं तो बैंक की ओर से डॉक्टर पर रिकवरी का दबाव बढ़ने लगा। इससे वह मानसिक तनाव में आ गए। इसके बाद उन्होंने आत्मघाती कदम उठा लिया। पुलिस को मिले सुसाइड नोट को जांच में अहम साक्ष्य माना जा रहा है।

जांच के दौरान पुलिस को गरिमा सिंह की एक डायरी मिली। इसमें उसने करोड़ों रुपये हासिल करने और अरबपति बनने के अपने लक्ष्य का जिक्र किया है। डायरी में अप्रैल–मई

1.40 करोड़ रुपये गंवाने के बाद उठाया खौफनाक कदम

2026 तक 100 करोड़ रुपये कमाने और अपने सभी लोन खत्म होने जैसी बातें लिखी मिली हैं। इन दावों ने पुलिस की जांच को नया मोड़ दिया है।

पुलिस के अनुसार गरिमा सिंह ऐसे लोगों को निशाना बनाती थी, जिन्हें लोन की जरूरत होती थी। वह लोन दिलाने और किस्तें खुद चुकाने का भरोसा देती थी।

लोन मंजूर होने के बाद रकम अपने या संबंधित खातों में ट्रांसफर करा लेती थी। मामले में गरिमा सिंह और उसके पिता ध्रुव नारायण सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और पैसों के लेनदेन की जांच कर रही है।

विभाजन की पीड़ा पर सीएम योगी का कांग्रेस पर वार

यूनिक समय, लखनऊ। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने 1947 के विभाजन को मानव इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक बताते हुए कहा कि देश के विभाजन की कीमत निर्दोष नागरिकों को चुकानी पड़ी और उसका असर आज भी दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि हमें इतिहास से सीख लेते हुए आपस में बंटने की गलती नहीं करनी चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों को भुला दिया गया, जबकि सत्ता के स्वार्थ में देश का विभाजन कराने वालों को महत्व मिला। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर विभाजन की स्थिति क्यों पैदा हुई, इसके लिए कौन जिम्मेदार था और देश कब तक इसकी कीमत चुकाता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिवस केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उन गलतियों से सीख लेने का भी दिन है।

उन्होंने कहा कि विभाजन का दंश भारत आज तक झेल रहा है। उनके अनुसार आतंकवाद, नक्सलवाद, माओवाद और उग्रवाद जैसी चुनौतियों

बोल– 'आपस में बंटने की गलती दोबारा न करें'

के संदर्भ में भी उस दौर की घटनाओं को समझने की जरूरत है। सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग आज भी ऐसा जताते हैं जैसे भारत का निर्माण केवल उन्हीं के कारण हुआ हो।

कार्यक्रम में योगी ने नागरिकता संशोधन कानून का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से उत्पीड़न के कारण भारत आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता देने का प्रावधान किया गया था। उन्होंने सीएए के विरोध में हुए प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने स्थिति को संभालने में प्रभावी भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाजन की त्रासदी को याद करने का उद्देश्य समाज को एकजुट रहने और भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचने की सीख देना है। भारत में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

मित्र अखिलेश, चच्चू को संभालिए

शिवपाल के बयान पर राजभर का पलटवार, योगी ने भी साधा निशाना

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव के उस बयान पर भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने तीखा हमला बोला है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सपा की सरकार बनने पर आजम खान को गृह मंत्री बनाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि अपने 'चच्चू' को संभाल लीजिए, वरना वह आपको कभी सत्ता में नहीं आने देंगे। राजभर ने सोशल मीडिया पोस्ट में शिवपाल के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह सरकार बनने पर अपने लोगों के मुकदमे वापस लेने और आजम खान को गृह मंत्री बनाने की बात कर रहे हैं। राजभर ने सवाल किया कि सजा पाए व्यक्ति चुनाव कैसे लड़ सकता है और मंत्री कैसे बन सकता है। उन्होंने अखिलेश यादव को शिवपाल के बयानों पर ध्यान देने की नसीहत भी दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शिवपाल के बयान को लेकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ऐसे लोगों के समर्थन में खड़ी दिखाई दे रही है,

जिनका अतीत विवादों से जुड़ा रहा है। योगी ने कहा कि इस तरह के बयान सपा की सोच को सामने लाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल प्रदेश में फिर से दंगे और अशांति का माहौल पैदा करना चाहते हैं। दरअसल, शिवपाल यादव ने बुधवार को रामपुर जेल में आजम खान और उनके छोटे बेटे अब्दुल्ला आजम खान से मुलाकात की थी। इसके बाद वह आजम खान के बड़े बेटे अदीब आजम खान के साथ जौहर विश्वविद्यालय पहुंचे। वहां मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अगर सपा की सरकार बनती है तो आजम खान को गृह मंत्री बनाया जाएगा। शिवपाल के इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में आरोप–प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। चुनावी माहौल के बीच यह मुद्दा आने वाले दिनों में और गरमाने के आसार हैं।

राहुल के बयान से मचा सियासी घमासान

नड्डा बोले–विपक्ष का ऐसा नेता लोकतंत्र का दुर्भाग्य

भाजपा नेताओं ने बयानों को बताया अशिष्ट और आपत्तिजनक

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की एक कार्यक्रम में की गई टिप्पणियों पर शुक्रवार को सियासी घमासान तेज हो गया। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के साथ कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित के बयानों को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। दिल्ली में आयोजित 'रचनात्मक कांग्रेस' कार्यक्रम में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं और विदेश नीति पर टिप्पणी करते हुए उनका मजाक उड़ाया।

राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की नींद उड़ा दी है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इतना डरा दिया है कि वे संसद में आने से बच रहे हैं। उन्होंने विदेशी नेताओं से प्रधानमंत्री के गले मिलने को लेकर भी टिप्पणी की। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने संदीप दीक्षित के साथ गले मिलने का अभिनय भी किया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनका ऐसा व्यवहार लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए भी यह चिंता का विषय है कि उसे राहुल गांधी को अपना नेता मानना पड़ रहा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी के व्यवहार को अस्वीकार्य बताया। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने उनके बयानों को अशिष्ट और अभद्र करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी संसद में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका के बजाय हास्य कलाकार की तरह व्यवहार करते दिखाई दिए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी और संदीप दीक्षित के बयानों पर आपत्ति जताई। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा ने भी कांग्रेस पर राजनीतिक शालीनता की सीमाएं पार करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि प्रधानमंत्री और विदेशी महिला नेता को लेकर की गई टिप्पणियां सार्वजनिक जीवन की मर्यादा के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने कांग्रेस की राजनीतिक भाषा में गिरावट का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे बयानों से उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

समय रैना समेत पांच को सुप्रीम कोर्ट से राहत

दिव्यांगों पर टिप्पणी मामले में सभी प्राथमिकी रद्द हुईं

जागरूकता और धन जुटाने के प्रयासों को माना सकारात्मक

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद में स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना समेत पांच लोगों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने दिव्यांग व्यक्तियों को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों से जुड़े सभी आपराधिक मामलों और प्राथमिकी को रद्द कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि समय रैना और अन्य आरोपियों ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा धन जुटाने की दिशा में गंभीर प्रयास किए हैं।

समय रैना के अलावा विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर उर्फ सोनाली आदित्य देसाई और निशांत जगदीश तंवर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी भी रद्द कर दी गईं। पिछली सुनवाई में अदालत ने सुधारात्मक प्रयासों से जुड़े निर्देशों का पालन नहीं करने पर पांचों पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संबंधित आपराधिक कार्यवाही समाप्त करने के बावजूद मामला पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। पीठ अब ऐसे डिजिटल और मनोरंजन संबंधी कार्यक्रमों में दिव्यांग व्यक्तियों के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री पर नियंत्रण के उपायों पर विचार करेगी। अदालत भविष्य में इस संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को बड़ी राहत दी

सावरकर टिप्पणी मामले में लखनऊ अदालत का समन रद्द

राज्य सरकार की मंजूरी नहीं होने पर कार्रवाई खत्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। वीर सावरकर के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने लखनऊ की निचली अदालत द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ जारी समन और शिकायत को रद्द कर दिया। अदालत ने माना कि इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से आवश्यक मंजूरी नहीं ली गई थी।

मामला वर्ष 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र में राहुल गांधी द्वारा सावरकर को लेकर दिए गए बयान से जुड़ा था। शिकायतकर्ता अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे ने इस बयान को लेकर लखनऊ की अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। निचली अदालत ने प्रथम दृष्टया भारतीय दंड संहिता की धारा 153(ए) और 505 के तहत मामला मानते हुए राहुल गांधी को समन जारी किया था।

सुनवाई के दौरान अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज से पूछा कि क्या मुकदमा चलाने के लिए जरूरी मंजूरी दी गई है। सरकार की ओर से बताया गया कि ऐसी मंजूरी नहीं दी गई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने समन और निचली अदालत की कार्यवाही रद्द कर दी।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पिछले वर्ष जुलाई में भी राहुल गांधी को राहत दे चुका था और मजिस्ट्रेट के समन पर रोक लगाई थी। उस दौरान अदालत ने स्वतंत्रता सेनानियों को लेकर बयान देते समय सावधानी बरतने की सलाह दी थी। राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी समेत अन्य वकीलों ने पक्ष रखा था।

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर सुरक्षा का अभेद्य घेरा

एआई कैमरों से संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी नजर

पूर्वाभ्यास के साथ जवानों की तैनाती बढ़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह को देखते हुए राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद मजबूत कर दिया गया है। खासतौर पर लाल किले और उसके आसपास बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए आतंकवाद विरोधी प्रतिक्रिया योजना लागू की है। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा के साथ यह भी ध्यान रखा जा रहा है कि समारोह में आने वाले लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो।

लाल किले और आसपास के इलाकों में एक हजार से अधिक अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वीडियो विश्लेषण तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। कैमरों के जरिए भीड़ के बीच संदिग्ध गतिविधियों, लावारिस वस्तुओं और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने में मदद मिलेगी। निगरानी व्यवस्था को नियंत्रण कक्ष से लगातार देखा जाएगा, ताकि किसी भी स्थिति में पुलिस तत्काल कार्रवाई कर सके। सुरक्षा व्यवस्था में तालमेल और तत्परता जांचने के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने कई पूर्वाभ्यास किए हैं। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए स्नाइपर, अर्धसैनिक बल और दिल्ली पुलिस के सशस्त्र जवान तैनात रहेंगे। उत्तरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया के अनुसार, पिछले वर्ष की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए इस बार सुरक्षा इंतजाम और कड़े किए गए हैं। नागरिकों से संदिग्ध वस्तु या गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने और सुरक्षा बलों का सहयोग करने की अपील की गई है।

जनगणना 2027 में जाति समेत पूछे जाएंगे कई सवाल

पहली बार सभी जातियों का होगा विस्तृत विवरण

डिजिटल प्रक्रिया से जुटेगा नागरिकों का पूरा डेटा

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जनगणना–2027 के लिए 40 प्रश्नों की सूची जारी कर दी है। स्वतंत्रता के बाद पहली बार जनगणना में सभी समुदायों की जाति संबंधी जानकारी दर्ज की जाएगी। इससे पहले वर्ष 2011 की जनगणना में केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित जानकारी ली गई थी।

नई सूची के अनुसार नागरिकों से नाम, आयु, लिंग, वैवाहिक स्थिति, धर्म, राष्ट्रीयता और जाति सहित परिवार से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे जाएंगे। शिक्षा, मातृभाषा, डिजिटल साक्षरता, रोजगार, व्यवसाय और आर्थिक गतिविधियों की जानकारी भी दर्ज की जाएगी। जनगणना में जन्मस्थान, स्थायी निवास, प्रवास का कारण तथा महिलाओं से बच्चों की संख्या संबंधी जानकारी भी ली जाएगी। इसके अलावा कोविड–19 वैक्सीन कहां लगवाई गई, मोबाइल नंबर, बैंक खातों की संख्या, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट और ड्राइविंग लाइसेंस की उपलब्धता से जुड़े प्रश्न भी शामिल किए गए हैं।

जनगणना–2027 देश की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना होगी। नागरिकों को स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने का विकल्प भी मिलेगा। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी व्यक्तिगत जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रहेंगी और कानून के तहत सार्वजनिक नहीं की जा सकेंगी।

घर के बाहर कार खड़ी करना अब पड़ेगा महंगा

बेंगलुरु में पार्किंग परमिट का नया मसौदा तैयार

कार के आकार के हिसाब से शुल्क तय होगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के बड़े शहरों में बढ़ती गाड़ियों के साथ पार्किंग की समस्या भी लगातार गंभीर होती जा रही है। सार्वजनिक सड़कों पर लंबे समय तक वाहन खड़े रहने से यातायात प्रभावित होता है और पैदल चलने वालों को भी परेशानी होती है। इसी समस्या से निपटने के लिए कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु के लिए पार्किंग व्यवस्था से जुड़े नए नियमों का मसौदा तैयार किया है। हालांकि, यह अभी प्रस्तावित नियम हैं और सरकार ने इस पर आम लोगों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं।

प्रस्तावित ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (पार्किंग) रूल्स, 2026 के तहत आवासीय इलाकों की सार्वजनिक सड़कों पर वाहन खड़ा करने के लिए विशेष पार्किंग परमिट की व्यवस्था प्रस्तावित है। इस परमिट का शुल्क वाहन के प्रकार और आकार के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

मसौदे के अनुसार, छोटी हैचबैक कार के लिए सालाना 15 हजार रुपये, सेडान के लिए 20 हजार रुपये और बड़ी एसयूवी के लिए 25 हजार रुपये तक शुल्क प्रस्तावित किया गया है। परमिट एक निश्चित वाहन और उसके पंजीकृत मालिक के नाम पर एक साल के लिए जारी किया जाएगा।

परमिट हासिल करने के लिए भी शर्त रखी गई है। जिन मकानों या बहुमंजिला इमारतों में भवन निर्माण नियमों के अनुसार अनिवार्य पार्किंग की व्यवस्था नहीं की गई है, उनके निवासियों को सड़क पर पार्किंग का परमिट नहीं मिलेगा।

मसौदे में सड़क की चौड़ाई को लेकर भी नियम प्रस्तावित हैं। मुख्य सड़कों पर वाहन खड़ा करने के बाद कम से कम छह मीटर हिस्सा यातायात के लिए खाली रखना होगा। दोनों तरफ 1.8 मीटर चौड़ा फुटपाथ उपलब्ध रखने की शर्त होगी। संकरी सड़कों पर कम से कम चार मीटर मार्ग यातायात के लिए खुला रखना जरूरी होगा।

बिना परमिट वाहन खड़ा करने पर उसे अनधिकृत माना जाएगा और कार्रवाई की जा सकती है। नगर निगम के मार्शल नियमों की निगरानी करेंगे, जबकि यातायात पुलिस उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई करेगी।

विदेश से भगोड़े लाने में एजेंसियों की बड़ी सफलता

पुणे कार्रवाई से खुला अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क

बेटे ऋषभ पर भी एजेंसियों की नजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को बड़ी सफलता मिली है। 13 हजार करोड़ रुपये के ड्रग्स मामले में वांटेड वीरेंद्र सिंह बसोया को संयुक्त अरब अमीरात से भारत लाया गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने इसे सरकार की नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति की बड़ी उपलब्धि बताया। मामले की जांच 21 फरवरी 2024 को पुणे पुलिस की कार्रवाई से आगे बढ़ी थी। दिल्ली में दिवेश चरंजीत भूतानी और संदीप कुमार राजपाल को गिरफ्तार कर 970 किलो मेफेड्रोन बरामद किया गया था। जांच में सामने आया कि मादक पदार्थों को सामान्य माल की खेप बताकर विदेश भेजने की साजिश रची गई थी। डेल्टा लॉजिस्टिक्स के मालिक संदीप हनुमानसिंह यादव और प्रबंधक देवेंद्र रामफुल यादव की गिरफ्तारी के बाद नेटवर्क की कई कड़ियां सामने आईं। जांच एजेंसियों के मुताबिक वीरेंद्र बसोया के इशारे पर आरोपी काम कर रहे थे। अब उसके बेटे ऋषभ बसोया पर भी कार्रवाई की तैयारी है। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी है।

हर घर तिरंगा यात्रा से दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश

फरह क्षेत्र के गांव परखम में निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थी और महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में शुक्रवार को को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा के नेतृत्व में आयोजित यात्रा में अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतिभागियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर विश्वविद्यालय परिसर में यात्रा निकाली और राष्ट्र की एकता, अखंडता- संप्रभुता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस दौरान देशभक्ति के नारों से परिसर गूंज उठा। यात्रा के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों के योगदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कुलपति डॉ. अभिजीत मित्रा ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार ने राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने, राष्ट्र की एकता–अखंडता बनाए रखने और देश के विकास में सकारात्मक योगदान देने का संकल्प लिया।

परखम में तिरंगा यात्रा निकालकर दिया देशभक्ति का संदेश

फरह। शुक्रवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत क्षेत्र के गांव परखम में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में ग्रामीणों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ सहभागिता की। यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जिससे माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया।

तिरंगा यात्रा में ग्राम प्रधान और प्रधान प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह के साथ रोजगार सेवक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए। ग्रामीण महिलाओं ने भी उत्साह के साथ यात्रा में भाग लिया। विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देश की एकता और अखंडता का संदेश दिया।

प्रधान प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह ने आयोजकों ने ग्रामीणों से हर घर पर तिरंगा फहराने और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना के साथ कार्यक्रमों में भाग लेने का आह्वान किया। यात्रा के दौरान ग्रामीणों में खासा उत्साह नजर आया। लोगों ने तिरंगे के सम्मान और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का संकल्प लिया।

सोसनी घटा में विराजमान होकर दर्शन देते राजाधिराज।

सोसनी घटा में विराजे राजाधिराज भक्तों को दिए दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में सावन शुक्रवार को ठाकुर जी सोसनी घटा में विराजमान हुए। मंदिर प्रांगण को सोसनी के वस्त्रों और विभिन्न प्रकार की सजावट से सजाया गया। घटा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं ने दर्शन कर ठाकुर जी से आशीर्वाद लिया। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि उन्होंने बताया कि शनिवार को शाम 5:10 बजे से 5:40 बजे तक ठाकुर जी फल–फूलों से सजे हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

मैक्सिको में भारत के राजदूत से पद्मश्री कृष्ण कन्हाई की शिष्टाचार भेंट

मैक्सिको में भारत के राजदूत से भेंट करते पद्मश्री चित्रकार कृष्ण कन्हाई।

यूनिक समय, वृंदावन। चित्रकार-पद्म श्री सम्मानित कृष्ण कन्हाई ने अपनी तीन देशों की विदेश यात्रा के दौरान मैक्सिको में भारत के राजदूत डॉ. पंकज शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने डॉ. पंकज शर्मा को अपनी कॉफी टेबल बुक भेंट की, वृंदावन का प्रसाद प्रदान किया। राजदूत ने उत्सुकता के साथ कृष्ण कन्हाई की कलाकृतियों का अवलोकन किया और चित्रकला की सराहना की।

डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि कुछ समय पूर्व मैक्सिको सिटी में अपने राम नाम से एक चित्र प्रदर्शनी आयोजित हुई थी।

कृष्ण कन्हाई के चित्रों को देखने के बाद उन्होंने सुझाव दिया कि विश्व के कृष्ण अथवा अन्य कोई आध्यात्मिक नाम पर आधारित चित्रों की प्रदर्शनी मैक्सिको सिटी में आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी भारतीय कला एवं संस्कृति को मैक्सिको में और अधिक व्यापक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस मुलाकात के दौरान कृष्ण कन्हाई के मित्र और भारतीय मूल के मैक्सिको निवासी मानक चंद बैद भी उपस्थित थे।

ब्राह्मण मेधावी छात्र–छात्राएं 16 अगस्त को होंगे सम्मानित

सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की बैठक में एक परिचय पत्रिका का विमोचन करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की बैठक कैंप कार्यालय जगन्नाथ पुरी में मुकुट मणि शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। संस्थान के अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा एडवोकेट ने वार्षिक पत्रिका 'एक परिचय' का विमोचन किया। पत्रिका का 16 अगस्त को चित्रकूट, मसानी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान निशुल्क वितरण किया जाएगा। संस्थान पदाधिकारियों ने बताया कि पत्रिका में बच्चों के विकास, समाज की उन्नति और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े लेख प्रकाशित किए गए हैं। साथ ही वर्षभर संस्थान की ओर से किए गए कार्यों का विवरण भी इसमें शामिल किया गया है। बैठक में बताया गया कि मेधावी छात्र–छात्राओं के सम्मान समारोह के लिए 417 आवेदन प्राप्त हुए हैं। सभी चयनित बच्चे अपने माता–पिता के साथ 16 अगस्त को दोपहर दो बजे कार्यक्रम स्थल चित्रकूट, मसानी पहुंचेंगे। समारोह में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप, डेस्कटॉप कंप्यूटर और स्मार्टफोन देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा सभी चयनित बच्चों को उपहार, सम्मान पत्र और पदक प्रदान किए जाएंगे। बैठक में नारायण प्रसाद शर्मा, दिलीप पांडे, बिहारी लाल गोस्वामी, दिवाकर आचार्य, राकेश गौड़, पीपी शर्मा, विवेक उपाध्याय, सुरेंद्र मुकुट वाले और जयप्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

सपा कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर पहुंचे लोकमणि

चीनी मिल धरना को दिया समर्थन

यूनिक समय, छाता। छाता चीनी मिल गेट में चल रहे अनिश्चितकालीन धरने पर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष लोकमणि कांत जादौन कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे और आंदोलन को अपना समर्थन दिया। उन्होंने वर्तमान सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर जमकर निशाना साधा।

सपा नेता ने दीपक शर्मा के साथ हुई बर्बरता की निंदा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में बैठे असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार अत्याचार किए जा रहे हैं। ब्राह्मण के साथ हुई इस तरह की बर्बरता अत्यंत निंदनीय है, समाजवादी पार्टी इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने वादा किया कि यदि 2027 के चुनाव में क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद मुझे मिलता है, प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है, तो इसी चीनी मिल के मैदान पर सपाध्यक्ष का हेलीकॉप्टर उतरेगा और बंद पड़ी चीनी मिल को चालू कराया जाएगा।

बाबूलाल महाविद्यालय के छात्रों ने निकाली तिरंगा रैली

यूनिक समय, गोवर्धन। श्री बाबूलाल महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। शुभारंभ विधायक मेघ श्याम सिंह ने किया। एसडीएम, तहसीलदार, सीओ, थानाध्यक्ष आदि कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। श्री बाबू लाल शिक्षण संस्थान समूह के चेयरमेन पंडित खेमचंद शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए राष्ट्र सेवा में लगे रहने का मंत्र प्रदान किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ लीविस कुलश्रेष्ठ, उपप्राचार्य डॉ उम्मेद सिंह, वाणिज्य संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ योगेंद्र प्रसाद गोयल, कला संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश सिंह, डॉ. शकील अहमद डॉ. प्रतिभा सिंह, विधि विभागाध्यक्ष डॉ. रेखा शर्मा, डॉ. राजकुमार गुप्ता, डॉ. सुमन बघेल, डॉ. विमलेश सिकरवार, डॉ. रविशंकर चौधरी, डॉ. नवीन पाल, श्री बाबू लाल कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. कृष्णा कुशवाहा, डॉ. चंद्रशेखर शर्मा, डॉ. राहुल सोरोत, राहुल लट अटोरिया, पूजा चौधरी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धीरज कौशिक ने किया।

आईओपी कालेज में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया

आईओपी कालेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वक्ता।

यूनिक समय, वृंदावन। इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल फिलॉसफी में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रेरणादायी कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वर्ष 1947 में भारत के विभाजन के दौरान विस्थापित हुए करोड़ों लोगों के संघर्ष, दर्द और अपने प्राण गंवाने वाले शहीदों को नमन करना था। कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारियों, प्रवक्ताओं और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने इस त्रासदी में जान गंवाने वाले लाखों निर्दोष नागरिकों की याद में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। छात्रों को विभाजन की पीड़ा से रूबरू कराने के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया एक लघु वृत्तचित्र भी दिखाया।

कार्यक्रम अधिकारी हेमेन्द्र कुमार ने छात्र–छात्राओं को बताया कि नफरत को मिटाकर अखंडता की ओर बढ़ें, भारतीय इतिहास के इस सबसे काले अध्याय पर प्रकाश डाला। प्राचार्य प्रो. पी.के सारस्वत ने कहा कि 14 अगस्त का यह दिन हमें किसी उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक भेदभाव के जहर को खत्म करने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की याद दिलाने के लिए है ।

'वन्दे मातरम् एक नमन है, वन्दे मातरम् एक हवन है

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन शोध संस्थान में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देशभक्ति- राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रप्रेम विषयक कवि सम्मेलन, चित्रकला, स्कैचिंग कार्यशाला के प्रतिभागियों ने सृजित चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया।

कवि डॉ. रमाशंकर पांडेय ने 'जिन बलिदानियों के बल से स्वतंत्रता है, उन बलिदानियों को कोटिश प्रणाम' काव्य पाठ के माध्यम से देश के शहीदों का स्मरण किया। मोहनलाल मोही ने 'वंदे मातरम् एक नमन है, वंदे मातरम् एक हवन है। हवन ये जारी रखना होगा, वंदे मातरम् कहना होगा' से मातृभूमि की वंदना की। गोपाल कृष्ण दुबे ने 'देश के विकास में हर क्षेत्र में विजय के ध्वज गाढ़ दीजिए के माध्यम से देश की युवा शक्ति का आह्वान किया कि वे देश के विकास में अपनी ऊ र्जा का सन्निवेश करें। कवियित्री रेणु उपाध्याय ने 'देश धर्म रक्षा के हित, वीरों ने शीश कटाया है। आजादी का अमृत हमनें संघर्षों से पाया है।' कवि अंजीव अंजुम ने 'वन्दे मातरम् मात्र शक्ति का प्रतीक है' सुनाकर दर्शकों की वीर रस से ओत–प्रोत कर दिया। कवि डॉ. ब्रजभूषण चतुर्वेदी ने 'हे आयावर्त कामना यही फूले तेरी हर फुलवारी' काव्य पाठ के माध्यम से देश की उन्नति की कामना की। संस्थान के निदेशक डॉ. राजीव द्विवेदी ने कवियों को पटुका उढ़ाकर सम्मान किया। संयोजन रेखारानी ने और संचालन ममता कुमारी ने किया। ललित कला अकादमी के सदस्य अनूप सोनी ने कवि सम्मेलन के बाद चित्रकला-स्कैचिंग कार्यशाला के प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए।